छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 40 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 30 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

फ्रंटलाइन खबर

सूने मकान का कुंडी तोड़कर नकदी और लाखों का जेवरात चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजनगर। थाना क्षेत्र के ग्राम पतरापाली में सूने मकान का कुंडी तोड़कर अज्ञात चोर ने 42 हजार रुपये नकद सहित लाखों रुपये का जेवरात चोरी कर लिया।

पतरापाली निवासी विक्रम दुबे पिता स्व. मार्कण्डेय दुबे 25 वर्ष ने सूरजपुर जिला के थाना रामानुजनगर ने पुलिस को बताया है कि उनका दो घर सूरजपुर और पतरापाली में है। पतरापाली वाले घर में उनकी मां श्रीमती पुनम दुबे, छोटा भाई मोक्ष दुबे रहते हैं, जो 23 जनवरी को सूरजपुर वाले घर में गए थे। 28 जनवरी को बड़े पापा बिजेन्द्र दुबे घर के पास गए तो मेन गेट के दरवाजे का कुण्डी टूटा हुआ था। अंदर जाने पर दरवाजा खुला नजर आया। इसकी सूचना फोन से मिलने पर जब वे पतरापाली स्थित घर आए तो दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाने पर अलमारी टूटा व खुला मिला। अलमारी में रखे सामान का मिलान करने पर चांदी का सिक्का 16 नग, नाक का नथुनी 01, चांदी का कर्धन 01, पाजेब 01, सोने का सिक्का 07, ब्रेसलेट हाथ का और नकदी रकम 42 हजार रुपये नहीं था। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धारा 305(ए), 331(4) का अपराध पंजीबद्ध करके विवेचना में लिया है।

शौच के लिए गया था युवक, इधर बाइक सहित मोबाइल और पर्स हो गया चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शौच के लिए गए युवक का मोटरसायकल सहित पर्स और मोबाइल फोन अज्ञात चोर ने पार कर दिया।

जानकारी के मुताबिक मूलत: सूरजपुर जिला के चांदनी बिहारपुर का विद्यासागर यादव वर्तमान में गांधीनगर अंबिकापुर थाना क्षेत्र के डेयरी फार्म रोड में ओमनारायण द्विवेदी के यहां किराए के मकान में रहकर पेटीएम में काम करता है। 24 जनवरी को रात करीब 9 बजे वह मोटरसायकल अपाचे क्रमांक सीजी 15 ईजे 6352 में ठाकुरपुर से वापस गांधीनगर आ रहा था। रास्ते में भगवानपुर शराब भट्ठी के पास नाला के किनारे शौच के लिए रूका और मोटरसायकल को किनारे खड़ा करके अपना मोबाइल फोन और पर्स सहित करीब 7050 रुपये को वाहन में रखकर शौच के लिए नीचे गया था। वापस आकर देखा तो मोटरसायकल सहित मोबाइल और पर्स गायब था। काफी खोजबीन के बाद भी दोपहिया वाहन सहित अन्य सामानों का पता नहीं चलने पर वह इसकी रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराया है, जिस पर पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

7036 क्विंटल धान और 17591 बारदाना गायब

शासन को 1.80 करोड़ से अधिक की क्षति, सहायक समिति प्रबंधक के विरुद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिला के प्रेमनगर थाना अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र उमेश्वरपुर में 7036 क्विंटल धान और 17591 बारदाना कम पाए जाने पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा प्रेमनगर के शाखा प्रबंधक की लिखित शिकायत पर पुलिस ने सहायक समिति प्रबंधक के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। धान खरीदी में अनियमितता के इस मामले में शासन को एक करोड़ 80 लाख 68 हजार 345 रुपये आर्थिक क्षति पहुंची है।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा प्रेमनगर के शाखा प्रबंधक ओम दत्त दुबे ने पुलिस को अवगत कराया है कि 09.01.2026 को धान उपार्जन केंद्र उमेश्वरपुर का उपायुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी सस्थाएं सूरजपुर के जिला विपणन अधिकारी ने जांच किया और भौतिक सत्यापन के दौरान 7036 क्विंटल धान कम पाया गया, जिसकी अनुमानित राशि एक करोड़ 66 लाख 69 हजार 231 रुपये एवं 17591 बारदाना की राशि 13 लाख 99 हजार 114 रुपये 79 पैसे है। इस प्रकार सहायक समिति प्रबंधक ठाकुर सिंह मरावी के द्वारा धान खरीदी में अनियमितता करके 1 करोड़ 80 लाख 68 हजार 345 रुपये 80 पैसे का दुरूपयोग किया गया है। बड़ी अनियमितता सामने आने पर उपायुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जिला सूरजपुर ने 21.01.26 के मामले में सहायक समिति प्रबंधक ठाकुर सिंह मरावी के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु आदेशित किया गया था। शाखा प्रबंधक ओम दत्त दुबे की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी सहायक समिति प्रबंधक के विरूद्ध बीएनएस की धारा 316(5), 318(4) का मामला दर्ज कर लिया है।

अमेरा खदान में प्रवेश किए संदिग्ध खदान प्रबंधन और स्टाफ से मारपीट पर उतारू हुए

पुलिस 07 लोगों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की, 06 दोपहिया वाहन और 10 बोरा कोयला जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लखनपुर थाना पुलिस ने संदिग्ध रूप से अमेरा खदान में प्रवेश करने वाले 07 व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए 06 दोपहिया वाहन एवं 10 बोरा कोयला जप्त किया है। पुलिस टीम ने संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने के लिए इन्हें गिरफ्तार किया और बाउंडओवर की कार्रवाई की। कोयले की अवैध तस्करी रोकने के लिए सरगुजा पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक लखनपुर थाना क्षेत्र के गुमगुरा यादवपारा का नन्दलाल पिता स्व. इन्दर राम 35 वर्ष, गुलाब राजवाड़े पिता जयपाल 32 वर्ष निवासी ग्राम गणेशपुर, संजय यादव पिता बहादुर यादव 18 वर्ष निवासी जमगला, तेजू राजवाड़े पिता स्व. दिलोस राजवाड़े 36 वर्ष निवासी गणेशपुर, प्रेम कुमार पिता अमर साय राजवाड़े 23 वर्ष निवासी गणेशपुर, महेश्वर राम पिता चांदी राम 25 वर्ष निवासी ग्राम गणेशपुर व सतेन्द्र कुमार पिता सुखसाय राजवाड़े 40 वर्ष निवासी ग्राम मुड़सा थाना गांधीनगर 29 जनवरी को सुबह अमेरा खदान में संदिग्ध अवस्था में पहुंचे थे। खदान प्रबंधन व स्टाफ के द्वारा कोयला खदान परिसर में क्या कर रहे हो कहकर पूछताछ किया गया तो सभी पुलिस की उपस्थिति में ही विवाद करने लगे। खदान प्रबंधन की सूचना पर थाना लखनपुर पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर तस्दीक की तो सभी पुलिस की उपस्थिति में ही खदान प्रबंधन के लोगों से विवाद करते हुए धमकी देकर मारपीट करने पर आमादा होने लगे। पुलिस ने इन्हें काफी समझाने का प्रयास किया किन्तु ये संज्ञेय अपराध घटित करने बार-बार अग्रसर हो रहे थे। संज्ञेय अपराध घटित होने से रोकने के लिए पुलिस ने धारा 170 बीएनएसएस के तहत इन्हें गिरफ्तार किया और धारा 126, 135 (3) बीएनएसएस का इस्तगासा पेश किया है। पुलिस टीम द्वारा इनके कब्जे से 06 दोपहिया वाहन एवं 10 बोरा कोयला कुल 03 लाख रुपये का संपत्ति जप्त किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर उप निरीक्षक सम्पत पोटाई, सहायक उप निरीक्षक निशिकांत, प्रधान आरक्षक रवि सिंह, सुरजीत कोरी, आरक्षक राकेश एक्का, दाराठ राजवाड़े, जितेंद्र सांडिल्य, पैमाशी राम, श्याम सुन्दर, जगेश्वर बघेल सक्रिय रहे।

एनडीपीएस के आरोपी को 12 वर्ष सश्रम कारावास

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एनडीपीएस के मामले में अंबिकापुर न्यायालय ने आरोपी को 12 वर्ष सश्रम कारावास व एक लाख रुपये के जुर्माना से दंडित किया है।

जानकारी के अनुसार आरोपी आशीष ठाकुर 24 वर्ष, सत्तीपारा का रहने वाला है। वह नशे के अवैध कारोबार में लंबे समय से संलिप्त था। 6 जून 2021 को अंबिकापुर स्थित दीवान तालाब के पास नशीले कफ सिरप बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर उसके बैग की तलाशी ली। बैग में 98 नग नशीला कफ सिरप पाया गया, जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी आशीष ठाकुर उर्फ कल्लू को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 21 सी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया था। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट अंबिकापुर अतुल श्रीवास्तव के कोर्ट में चल रहा था। मामले की सुनवाई के बाद आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध पाया गया। 29 जनवरी को न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ 12 वर्ष का सश्रम कारावास व एक लाख रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

यूजीसी के नए नियमों का विरोध, एक फरवरी को अंबिकापुर बंद का एलान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। यूजीसी के नए नियमों के विरोध में प्रस्तावित 1 फरवरी को अंबिकापुर बंद को लेकर गुरुवार को स्वर्ण समाज की बैठक अग्रसेन भवन में आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से बंद को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की गई और विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों को कन्वेयर नियुक्त किया गया।

बैठक में स्वर्ण समाज की ओर से संजय अग्रवाल को कन्वेयर नियुक्त किया गया, वहीं मुख्य कन्वेयर के रूप में क्षत्रिय समाज की ओर से क्षत्रिय युवा महासभा के अध्यक्ष शिवेश सिंह (बाबू), ब्राह्मण समाज की ओर से सर्व ब्राह्मण समाज के उपाध्यक्ष अनिल तिवारी, अग्रवाल समाज से शुभम अग्रवाल, कायस्थ समाज से अनिल सिन्हा, सिंधी समाज से अध्यक्ष अशोक नागवानी तथा केशरवानी समाज से विजय गुप्ता (दारा) को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक को संबोधित करते हुए आईबी तिवारी ने कहा कि विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। अनिल तिवारी ने कॉलेज के विद्यार्थियों को भी इस आंदोलन में शामिल करने का सुझाव दिया। अतुल सिंह ने कहा कि सरकार की कथनी और करनी में अंतर है और मौजूदा नीतियां समाज को विभाजित करने का काम कर रही हैं। क्षत्रिय युवा महासभा के अध्यक्ष शिवेश सिंह (बाबू) ने कहा कि जिस समाज के समर्थन से भाजपा सत्ता में आई थी, उसी समाज के हितों के खिलाफ यूजीसी का नया कानून लाया गया है। यह कानून सामाजिक सौहार्द्र को प्रभावित करेगा और इसके राजनीतिक परिणाम भी सामने आएंगे। बैठक में अजय नारायण पांडे, प्रेम शंकर राणा, उदय सिंह, राकेश शुक्ला, रविंद्र कुमार सिंह, नीलम शर्मा, डॉ. पुष्पेंद्र शर्मा, दिनेश गर्ग, विजय कुमार गुप्ता, बालमुकुंद वर्मा, प्रदीप कुमार शुक्ला, चंदन तिवारी, अनिल कुमार दुबे, सुरेंद्र शास्त्री, सुशांत तिवारी, अमित सिंह, विजय सिंह, शशिकांत सिंह, दिनेश अग्रवाल, कार्तिक शुक्ल, सुरेंद्र नारायण सिंह, प्रिंस कुमार सिंह, गोपाल तिवारी, शुभम अग्रवाल, सज्जन मित्तल, रेणुका शुक्ला सहित बड़ी संख्या में समाज के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

नशीले इंजेक्शन का उपयोग करते बन गया विक्रेता

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता की टीम ने गिरफ्तार करके भेजा जेल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम ने नशीले इंजेक्शन के साथ एक और विक्रेता को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल दाखिल कर दिया है। आरोपी स्वयं भी नशा के लिए इंजेक्शन लगाने का आदी है। जानकारी के मुताबिक संभागीय आबकारी उड़नदस्ता कार्यालय में 29 जनवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि घुटरापारा निवासी नरेश गुप्ता अपने घर से नशीला इंजेक्शन बेच रहा है। मुखबिर के सूचना की विश्वसनीयता पर तत्काल सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने घुटरापारा में नरेश गुप्ता के घर में दबिश दी, तो वह भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने उसे पकड़ लिया। इसके पास एक झोले से 10 नग रेक्सोजेसिक और 10 नग एविल इंजेक्शन था। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत गिरफ्तार करके विशेष न्यायालय अंबिकापुर में रिमांड के लिए प्रस्तुत किया गया, जहां से जेल दाखिल का आदेश प्राप्त हुआ। उक्त कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी के साथ मुख्य आरक्षक कुमारु राम, नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह, महिला सैनिक राजकुमारी सिंह एवं नीरज चौहान की सराहनीय भूमिका रही।

10 इंजेक्शन में 3-4 का खुद करता था उपयोग

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि गुरूवार को सामने आया मामला पूर्व में की गई कार्रवाई से हटकर है, जो यह बताता है कि कैसे एक इंजेक्शन लगाने वाला व्यक्ति इंजेक्शन का विक्रेता बन जा रहा है। आरोपी ने स्वयं बताया कि वह 10 नशीला इंजेक्शन खरीदता है उसमें से तीन-चार इंजेक्शन खुद लगाता है और बाकी इंजेक्शन को बेचकर जो पैसा आता है, उससे फिर इंजेक्शन खरीदता है ताकि वह इंजेक्शन खुद भी लगा सके। आज की युवा पीढ़ी इसी दलदल में फसती जा रही है। वे पहले इस इंजेक्शन को लगाना शुरू करते हैं, इसके बाद पैसे की किल्लत होने पर बेचना शुरू कर देते हैं या चोरी लूटपाट शुरू कर दे रहे हैं।

मतदाता सूची से नाम विलोपन संबंधी शिकायत निराधार पाई गई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। विधानसभा क्षेत्र लुण्ड्रा अंतर्गत भाग संख्या 255, ग्राम पंचायत मांजा (तहसील लखनपुर) के संबंध में पारा राजाकटेल के ग्रामवासियों द्वारा एक ज्ञापन प्रस्तुत किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि गांव के रामधन सहित अन्य 7 व्यक्तियों द्वारा 120 मतदाताओं (एनुल अंसारी एवं अन्य 119) के नाम मतदाता सूची से विलोपित करने हेतु संबंधित मतदाताओं की जानकारी या सहमति के बिना फॉर्म-7 जमा किया गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए प्राप्त फॉर्म-7 आवेदनों की विस्तृत जांच कराई गई। जांच के दौरान संबंधित बी.एल.ओ. एवं सुपरवाइजर द्वारा पुष्टि की गई कि जिन मतदाताओं के नाम विलोपन हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गए थे, उन्होंने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के प्रथम चरण में स्वयं गणना पत्रक भरकर बी.एल.ओ. को उपलब्ध कराया गया था। इन गणना पत्रकों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विधिवत ऑनलाइन प्रविष्ट किया गया था। जांच में यह भी पाया गया कि संबंधित सभी मतदाताओं के नाम नियमानुसार ड्राफ्ट मतदाता सूची में प्रकाशित किए गए हैं। स्थल निरीक्षण के दौरान यह सत्यापित हुआ कि उक्त मतदाता वास्तव में पारा राजाकटेल, ग्राम पंचायत मांजा में निवासरत हैं। मतदाताओं द्वारा वर्ष 2003 की मतदाता सूची की प्रति भी प्रस्तुत की गई, जिसमें उनके तथा उनके अभिभावकों के नाम दर्ज पाए गए।

बी.एल.ओ. एवं सुपरवाइजर ने संयुक्त रूप से यह प्रमाणित किया कि गणना पत्रक सही तरीके से भरे गए थे तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही नाम ड्राफ्ट रोल में शामिल किए गए हैं। जांच उपरांत संबंधित मतदाताओं के नाम विलोपन हेतु प्रस्तुत फॉर्म-7 आवेदन असत्य एवं निराधार पाए गए हैं। फलस्वरूप उक्त आवेदन निरस्त किए जा रहे हैं। निर्वाचन नियमों के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम बिना वैध एवं प्रमाणित कारण के मतदाता सूची से विलोपित नहीं किया जा सकता। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार निष्पक्ष जांच की जाती है।

पश्चिमी विक्षोभ से घना कोहरा छाया, दृश्यता 15 से 20 मीटर सिमटी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पश्चिमी विक्षोभ के कारण गुरुवार को सरगुजा में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण दृश्यता 15 से 20 मीटर तक सिमटी रही। वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लगा रहा। पास की वस्तुएं दिखाई नहीं दे रही थी। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार विक्षोभ का असर अगले दो दिनों तक रहने की उम्मीद है। इस दौरान तापमन में भी गिरावट दर्ज की जा सकती है।

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार इस समय मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में पश्चिमी विक्षोभ से प्रेरित एक चक्रवाती परिसंचरण मध्य-उत्तरी भारत के ऊपर से गुजर रहा है। इसका असर उत्तरी छत्तीसगढ़ में देखा जा रहा है। बुधवार से ही आसमान में बादल व कोहरे का असर देखा जा रहा है। गुरुवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा। दृश्यता 10-20 मीटर तक सिमटी रही। हाइवे पर वाहनों की रफ्तार काफी धीमी रही। पास की वस्तुएं भी स्पष्ट दिखाई नहीं दे रही थी। कोहरे का असर लगभग 11 बजे तक रहा। मौसम विाग के अनुसार आगामी दो से तीन दिनों तक तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इससे एक बार ठंड की वापसी देखी जा रही है। हालांकि बारिश होने की संभावना नहीं है। घने कोहरे छा सकते हैं। पश्चिमी विक्षोभ के कारण बादलों की सक्रियत व कोहरे के कारण अधिकतम तापमान में 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार का अधिकतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं गुरुवार को अधिकतम तापमान गिरकर 22.9 डिग्री पहुंच गया है, जबकि न्यूनतम 11.9 डिग्री दर्ज किया गया है।

सरस्वती पूजा के दौरान स्कूल में नशे की हालत में पहुंचा शिक्षक निलंबित

बीईओ के प्रतिवेदन पर जिला शिक्षा अधिकारी ने की कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला शिक्षा अधिकारी, सरगुजा द्वारा विकासखंड लखनपुर अंतर्गत एक शिक्षक के विरुद्ध गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी लखनपुर द्वारा 23 जनवरी 2026 को प्रस्तुत किए गए प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया था कि ग्राम पंचायत गुमगरा खुर्द के सरपंच ने संकुल समन्वयक, संकुल केन्द्र गुमगरा खुर्द को एक वीडियो प्रेषित किया, जिसमें एक शिक्षक विद्यालय समय के दौरान शराब के नशे की स्थिति में दिखाई दे रहे थे। जांच उपरांत उक्त शिक्षक की पहचान बुद्धेश्वर प्रसाद मानिकपुरी, सहायक शिक्षक, एल.बी. प्राथमिक शाला गुमगरा खुर्द के रूप में की गई। संकुल समन्वयक द्वारा भी पुष्टि की गई कि संबंधित शिक्षक ने वास्तव में शराब का सेवन किया था। उल्लेखनीय है कि उक्त तिथि को विद्यालय में सरस्वती पूजन का आयोजन भी किया गया था। इस दौरान शिक्षक का शराब के नशे में विद्यालय पहुंचना अत्यंत आपत्तिजनक पाया गया। विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रतिवेदन एवं दो वीडियो क्लिप के आधार पर यह कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 एवं नियम-23 के विपरीत तथा कदाचार की श्रेणी में पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी, सरगुजा द्वारा छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के अंतर्गत बुद्धेश्वर प्रसाद मानिकपुरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बतौली नियत किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

अनुशासन हीनता पर होगी कार्रवाई-जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार झा ने स्पष्ट किया है कि विद्यालयीन वातावरण की गरिमा, विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा शासकीय सेवकों की आचार संहिता के पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डाटा सेंटर में हुई सलाहकार समिति की बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग व समाज कल्याण विभाग के सलाहकार समिति की बैठक डाटा सेंटर के सभाकक्ष में प्रियंका गुप्ता के अध्यक्षता में हुई। बैठक में नगर निगम अंतर्गत आंगनबाड़ी के सुचारू क्रियान्वयन, सामाजिक पेंशन सुरक्षा एवं स्व सहायता समूहों के विस्तार जैसे महत्वपूर्ण बिंदु पर चर्चा हुई। बैठक में सदस्य सुषमा रोचक गुप्ता, शैलेश सिंह, मेघा खांडेकर के अलावा निगम के राजस्व अधिकारी निलेश करकेटा, सहायक राजस्व अधिकारी शशांक दुबे, विजय कुजूर, समाज कल्याण विभाग के लिपिक अवध विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

उपार्जन केन्द्रों में दैनिक खरीदी की लिमिट बढ़ाई गई

★ समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य प्रगति पर ★ 41 हजार 126 किसानों से 627 करोड़ मूल्य के 2648207 क्विंटल धान की खरीदी ★ कलेक्टर के निर्देश पर धान उपार्जन का कार्य सुचारू रुप से जारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार जिले में धान खरीदी कार्य अंतिम चरण में भी पूरी पारदर्शिता एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जिससे किसानों को सहज एवं समयबद्ध रूप से धान विक्रय का लाभ मिल रहा है। प्रशासन द्वारा धान खरीदी की शेष अवधि के दौरान भी सतत निगरानी रखते हुए यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी पात्र किसान निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत अपना धान विक्रय कर सकें।

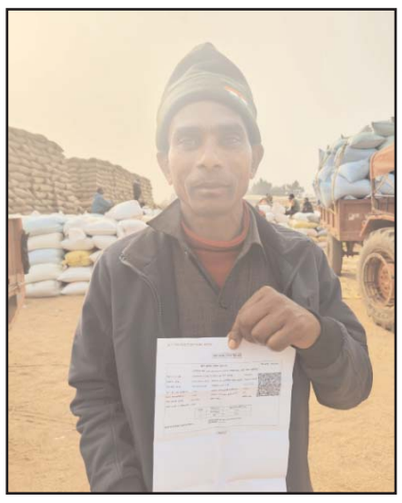

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य सतत निगरानी में सुचारू रूप से जारी है। जिले में कुल 51 हजार 632 पंजीकृत किसानों के विरुद्ध अब तक 41 हजार 126 किसानों के द्वारा 2648207 क्विंटल धान विक्रय किया जा चुका है। जिले में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धान विक्रय हेतु प्राप्त आवेदनों के अनुसार समय-समय पर उपार्जन केंद्रों की दैनिक खरीदी सीमा में वृद्धि की गई है। इसके तहत 49 धान उपार्जन केंद्रों की दैनिक खरीदी लिमिट बढ़ाई गई है, पूर्व में 132110 क्विंटल प्रति दिन खरीदी की लिमिट थी। जिसे खरीदी के अंतिम चरणों में 49 केन्द्रों के माध्यम से प्रतिदिन 247000 क्विंटल धान क्रय करने कि व्यवस्था की गई है। जिससे किसानों को त्वरित धान विक्रय की सुविधा मिल रही है। जिससे किसानों में हर्ष का माहौल है।

लिमिट बढ़ने से किसानों को मिली बड़ी राहत

जिले में धान खरीदी अभियान से किसानों में हर्ष का माहौल है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान खरीदी महाभियान के तहत शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक के मान से धान खरीदी की जा रही है। विकासखंड बलरामपुर के बरदर धान उपार्जन केंद्र में धान विक्रय के लिए पहुंचे ग्राम चित्तविश्रामपुर निवासी किसान श्री सुरेश कुमार सिंह ने कहा कि लिमिट बढ़ने से किसानों को काफी सहुलियत हुई है। उन्होंने बताया कि समिति मे जाकर टोकन कटवाया और 114 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की प्रयास से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल एवं सुगम बनी हुई है। उन्होंने इस सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की सख्ती 158 प्रकरण दर्ज, 20851 क्विंटल से अधिक धान जब्त वास्तविक किसानों को मिल रहा धान खरीदी का लाभ

जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर सतत निगरानी रखी जा रही हैं। जिससे वास्तविक एवं पात्र किसानों से ही धान खरीदी की जा रही है एवं लाभ दिया जा रहा है। साथ ही पारदर्शी एवं निष्पक्ष धान खरीदी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने सभी अंतरराज्यीय सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है, परिणामस्वरूप अब तक जिले में कुल 158 प्रकरण में 20851 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त 78 चार पहिया तथा 10 दोपहिया सहित कुल 88 वाहनों को जब्त किया गया है। साथ ही अवैध धान में संलिप्त 6 व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज की गई है। कलेक्टर श्री कटारा के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अमला द्वारा संदिग्ध वाहनों एवं परिवहन गतिविधियों पर विशेष फोकस करते हुए सघन जांच कर संलिप्त होने पर मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि अब तक जिले में 51632 पंजीकृत किसानों में से 41 हजार 126 किसानों को 627 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। धान का उठाव भी लगातार जारी है। अब तक धान उपार्जन केन्द्रों से 801223.14 क्विंटल धान का उठाव किया गया है।

विकसित भारत गारंटी योजना मिल का पत्थर होगा साबित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा शिवनंदनपुर मंडल में विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजिविका मिशन ग्रामीण का मंडल स्तरीय कार्यशाला ग्राम पंचायत कुंजनगर में संपन्न हुआ। विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजिविका मिशन ग्रामीण का मंडल स्तरीय कार्यशाला की मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक व महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े थीं। अन्य अतिथियों में शिवनंदनपुर मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े, देवधन राम बिंझिया उपस्थित रहे। स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष हरिश राजवाड़े ने किया। कार्यशाला को मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारी यह योजना समाज ग्राम के लिए मील का पत्थर है, जिसके तहत भ्रष्टाचार को लगाम लगाया जा सकता है। इस योजना से समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को पूरा लाभ प्राप्त होगा। इस दौरान भागवत प्रजापति, संदीप सरकार, मनजीत भामरा, मनी बग्गा, देवशरण सिंह, श्यामू साहू व अन्य उपस्थित थे।

नपं बिश्रामपुर में एसआईआर कैटेगरी सी के मतदाताओं के नाम विलोपन को लेकर बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत बिश्रामपुर में एसआईआर कैटेगरी सी अंतर्गत चिन्हित 87 मतदाताओं के नाम विलोपन संबंधी प्रक्रिया को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुशील कुमार तिवारी एवं बीएलओ की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में सभी राजनैतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट बीएलए उपस्थित रहे। इस दौरान विलोपन हेतु प्रस्तावित सभी 87 मतदाताओं के नामों का वाचन किया गया, जिस पर उपस्थित सभी प्रतिनिधियों द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

जयनगर धान समिति केंद्र का नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशानुसार पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह द्वारा जयनगर धान समिति केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान धान खरीदी की प्रगति एवं किसानों को दिए जा रहे लाभ की स्थिति की समीक्षा की गई। धान खरीदी केंद्र जयनगर में कुल 648 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 597 किसान धान उपार्जन के लाभ से लाभान्वित हो चुके हैं। इनमें से 572 किसानों द्वारा कुल 51.58 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया गया है। 29 जनवरी की स्थिति तक 22 किसानों के टोकन काटे गए हैं। निरीक्षण के दौरान हल्का पटवारी शांतिलाल बर्नवाल द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें दो किसानों का 2.29 हेक्टेयर रकबा सत्यापित कर 119 क्विंटल धान का रकबा समर्पण कराया गया।

जयनगर पुलिस की जुए के अड्डे पर छापा, सात जुआरी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने जुए के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए बुधवार की रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ग्राम पंचायत पेंडरखी के पखनाडोली दोहर खेत में हार जीत का दांव लगाकर ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे सात जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से कुल 36500 रुपए नगद तथा ताशपत्ती जब्त की है। दरअसल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पखनाडोली दोहर खेत में कुछ लोग अवैध रूप से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही जयनगर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर चारों ओर से घेराबंदी कर सभी आरोपियों को पकड़ लिया। अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से जुआरियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली। पुलिस ने यहां पर सात जुआरी क्रमश: ग्राम पंचायत पेंडरखी निवासी 27 वर्षीय लीलाधर पिता कमलेश्वर, डेडरी निवासी 30 वर्षीय कुसुम राजवाड़े पिता

जीत राम, कुरुवां निवासी 38 वर्षीय राकेश दुबे पिता विशाल दुबे, हर्राटिकरा निवासी 40 वर्षीय राजू प्रसाद पिता सीताराम, पोड़ी निवासी 40 वर्षीय गोपाल दास पिता स्व. गौटू राम, सपकरा निवासी 34 वर्षीय रामदेव पिता किशुन तथा हीरालाल सिंह पिता किशुन राम को गिरफ्तार किया। ज्ञात हो कि उक्त क्षेत्र में लंबे समय से अवैध जुआ खेले जाने की शिकायतें मिल रही थीं। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस लगातार नजर बनाए हुए थी। इसी कड़ी में यह कार्रवाई की गई, जिससे क्षेत्र में जुआ खेलने वालों के बीच हड़कंप मच गया है।

मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। कार्रवाई में जयनगर थाना प्रभारी निरीक्षक रूपेश कुंतल एक्का, उपनिरीक्षक सोहन सिंह, प्रधान आरक्षक संजय सिंह राजपूत, आरक्षक दीपक दुबे, सुरेश साहू सहित अन्य पुलिसकर्मी सक्रिय रहे।

घर में अकेली महिला पर अज्ञात लोगों ने चाकू से किया हमला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। घर में अकेली महिला पर दो अज्ञात लोगों ने आज चाकू से पांच छह वारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। गौरतलब है कि लटोरी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत शंकरपुर निवासी अमर सिंह गुरुवार को जरही में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में फुटबाल देखने गया था। इसी बीच दो अज्ञात लोगों ने उसके घर पर पहुंचकर अकेली पत्नी करीब 28 वर्षीय सिरमेन सिंह पर चाकू से अचानक छह बार हमला कर दिया है, जिससे महिला के सिर, पेट, हाथ, सीना में गंभीर चोट आई है। घायल महिला को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में ले जाकर भर्ती करा दिया गया है, जहां उसकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि अमर सिंह की यह महिला दूसरी पत्नी है। मामले में देर शाम घटना की सूचना लटोरी पुलिस को भी दे दी गई है। चाकूबाजी की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। पुलिस द्वारा भी अज्ञात हमलावरों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी गई है।

वीबी जी राम जी के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शंकरगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम

सरपंचों एवं जनप्रतिनिधियों को दी गई विस्तृत जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। विकासखंड शंकरगढ़ में वीबी जी राम जी एक्ट 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जनप्रतिनिधियों को इसके प्रावधानों से अवगत कराने के उद्देश्य से जागरूकता सम्मेलन एवं कार्यशाला का आयोजन जनपद पंचायत शंकरगढ़ के सभाकक्ष में किया गया।

कार्यक्रम में सामरी विधायक श्रीमती उदेश्वरी पैंकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित सरपंच, उपसरपंच, पंच, सचिव, रोजगार सहायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों को वीबी जी राम जी एक्ट 2025 से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की गई। कार्यशाला के दौरान उद्देश्यों, इसके अंतर्गत मिलने वाले लाभ, प्रक्रिया एवं जमीनी स्तर पर इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती उदेश्वरी पैकरा ने अपने संबोधन में कहा कि वीबी जी राम जी शासन की महत्वपूर्ण पहल है, जिसके अंतर्गत नए प्रावधानों के माध्यम से लाभ पहुँचाना है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि वे सही जानकारी स्वयं भी समझें और अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में आमजन को जागरूक करें, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके।

कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित, जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, अनुविभागीय अधिकारी श्री अनमोल टोप्पो, जनपद सीईओ श्री वेद प्रकाश पाडेय, सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। जागरूकता कार्यक्रम में वीबी जी राम जी के प्रक्रिया एवं क्रियान्वयन से संबंधित बिंदुओं विस्तृत जानकारी पर जानकारी दी गई तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों के प्रश्नों का समाधान भी किया गया।

गौरतलब है कि कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में वीबी जी राम जी के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसका उद्देश्य पंचायत स्तर सही जानकारी पहुँचाना तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है।

धान खरीदी केन्द्रों में कलेक्टर-एसपी का औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी के अंतिम शेष दिनों में पारदर्शी, सुचारू एवं सुव्यवस्थित धान खरीदी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर के द्वारा स्वयं धान खरीदी केन्द्रों का सघन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इसी कड़ी में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बलरामपुर विकासखंड अंतर्गत धान खरीदी केन्द्र डौरा तथा विकासखंड राजपुर अंतर्गत धंधापुर का औचक निरीक्षण कर धान खरीदी का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी, धान उठाव, स्टेकिंग व्यवस्था तथा संबंधित पंजियों की गहन जांच की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटारा ने धान विक्रय हेतु पहुंचे किसानों से संवाद करते हुए कहा कि शासन द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी की लिमिट बढ़ा दी गई है। सभी पात्र किसानों से धान की खरीदी की जाएगी और यदि किसी किसान को किसी भी प्रकार की समस्या आती है, तो उसका त्वरित निराकरण किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने धान खरीदी केन्द्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा सुचारू एवं शांतिपूर्ण रूप से खरीदी कार्य संपन्न कराने के निर्देश दिए।

दो अलग अलग मामले में वृद्ध समेत महिला की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दो अलग अलग मामले में एक वृद्ध समेत महिला की मौत मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत कुमदा बस्ती गवटियापारा निवासी 85 वर्षीय लालसाय राजवाड़े पिता स्व. सहोरन गुरुवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे घर के बाड़ी में पानी पटाने गया था। वहां पर पानी पटाने उपरांत जब मोटर के तार को छुड़ा था, तभी तरंगित तार की चपेट में आ गया। जिस पर परिजन द्वारा तत्काल वृद्ध को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिश्रामपुर लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं एक अन्य मामले में ग्राम पंचायत कुरुवां निवासी 70 वर्षीय बेवा महिला फुलेश्वरी पति कुंवर प्रसाद ने बुधवार को घर के कंडी में साड़ी से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है।

पुलिस ने बताया कि मृतिका नि: संतान थी। वर्ष 2018 में पति के मौत के बाद वह कुरुवां अपने मायके में रहती थी। सूचना पर दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

सरगुजा ओलंपिक अंतर्गत विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता का शुभारंभ

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरगुजा ओलंपिक के अंतर्गत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड राजपुर एवं वाड्रफनगर में विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राजपुर में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैंकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

खेल ओलंपिक के प्रथम दिवस एथेलेटिक्स, खो-खो एवं कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न ग्रामों से आए पंजीकृत खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में सहभागिता दिखाई। एथेलेटिक्स में खिलाड़ियों ने अपने गति और क्षमता का प्रदर्शन किया। साथ ही खो-खो एवं कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों में टीम वर्क देखने को मिला। इस शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा खेलों को आपसी भाईचारे और अनुशासन के साथ खेलने का संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को आगामी जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता हेतु चयनित किया जाएगा। जिससे ग्रामीण युवाओं की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलेगा।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आरआरवीयूएनएल की पीईकेबी और परसा खदान ने सुरक्षा में रचा नया इतिहास

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की परसा ईस्ट एवं कांता बासन ओपनकास्ट कोल माइन तथा परसा ओपनकास्ट कोल माइन ने ह्यवार्षिक कोयला खदान सुरक्षा पखवाड़ा-2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए। सुरक्षा, संचालन गुणवत्ता, पर्यावरण प्रबंधन और तकनीकी नवाचार के आधार पर आयोजित इस प्रतियोगिता में दोनों खदानों ने अपनी श्रेणियों में बेहतरीन प्रदर्शन कर नई उपलब्धियाँ दर्ज कीं।

इस वर्ष का पुरस्कार वितरण समारोह एसईसीएल के बैकुंठपुर क्षेत्र में आयोजित किया गया, जिसे डीजीएमएस के तत्वावधान में एसईसीएल और गैर-एसईसीएल कंपनियों द्वारा संयुक्त रूप से संपन्न किया गया। समारोह में डीजीएमएस के महानिदेशक उज्ज्वल ताह, उप महानिदेशक रामावतार मीना, डीएमएस रायगढ़, डीएमएस बिलासपुर, डीएमएस जबलपुर तथा सभी क्षेत्रों के डीडीएमएस (खनन, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल) सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पीईकेबी ओसीएम-ग्रुप-एफ (मेगा प्रोजेक्ट) में शानदार उपलब्धियाँ

परसा ईस्ट एवं कांता बासन (पीईकेबी) ने ग्रुप श्रेणी में अपनी अथक मेहनत और मजबूत सुरक्षा-प्रणाली के चलते माइन वर्किंग, डंप मैनेजमेंट एवं रिक्लेमेशन तथा नियर मिस रिकॉर्ड कीपिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके साथ-साथ एसएमपी और एसओपी यानी सिस्टमैटिक माइनिंग प्रैक्टिसेज (व्यवस्थित खनन पद्धतियाँ) और मानक संचालन प्रक्रियाएं (मानक संचालन प्रक्रियाएँ) के आधार पर किए गए मूल्यांकन में खदान को द्वितीय स्थान मिला। समग्र मूल्यांकन में भी खदान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खदान के आउटसोर्सिंग पार्टनर एम/एस करमजीत सिंह लिमिटेड को उत्कृष्ट योगदान के लिए द्वितीय स्थान से सम्मानित किया गया। पीईकेबी का उल्लेखनीय रिकॉर्ड यह भी है कि वह पिछले कई वर्षों से डीजीएमएस द्वारा आयोजित सुरक्षा प्रतियोगिताओं में लगातार शीर्ष उपलब्धियाँ प्राप्त करता आ रहा है।

एसीबी ने घेराबंदी कर सहायक अभियंता को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। कोरबा जिले के दीपका में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सीएसपीडीसीएल (विद्युत विभाग) के सहायक अभियंता को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी सहायक अभियंता पर खेत में ट्रांसफार्मर लगाने के एवज में किसान से रिश्वत मांगने का आरोप है। डीएसपी एसीबी बिलासपुर अजितेश सिंह ने बताया कि ग्राम रलिया, जिला कोरबा निवासी श्यामता टंडन ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि ग्राम दर्री, जिला कोरबा स्थित कृषि भूमि पर ट्रांसफार्मर लगाने के लिए

आवेदन दिया गया था। आवेदन के बाद सीएसपीडीसीएल दीपका के सहायक अभियंता सत्येंद्र दिवाकर ने मौके का निरीक्षण किया और कार्य स्वीकृति के नाम पर चालान के अलावा नाश्ता-पानीह्व के लिए कुल 80 हजार रुपये की मांग की। आरोपी पहले ही 30 हजार रुपये ले चुका था और शेष 50 हजार रुपये की मांग कर रहा था। प्रार्थी रिश्वत नहीं देना चाहता था और आरोपी को पकड़वाना चाहता था। शिकायत का सत्यापन सही पाए जाने पर एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। 28 जनवरी को जैसे ही आरोपी ने दीपका कार्यालय में 50 हजार रुपये की रिश्वत ली, एसीबी टीम ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। एसीबी ने आरोपी के कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली है।

आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हाथी के शावक की मौत की वन विभाग ने शुरू की जांच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। एक हाथी के शावक की मौत का मामला रायगढ़ जिले के विकासखंड घरघोड़ा अंतर्गत ग्राम कया के जंगल क्षेत्र में सामने आया है। ग्रामीणों ने वन विभाग को 27 जनवरी की शाम सूचना दी कि जंगल में एक हाथी का बच्चा मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वन अमला मौके के लिए रवाना हुआ, लेकिन रात का समय, दुर्गम इलाका और आसपास हाथियों के झुंड की मौजूदगी के कारण तत्काल घटनास्थल तक पहुंचना संभव नहीं हो सका। डीएफओ रायगढ़ ने बताया कि 28 जनवरी की सुबह वन विभाग की टीम आरक्षित वन

कक्ष क्रमांक 1310 स्थित घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। जांच में मृत हाथी शावक नर पाया गया, जिसकी उम्र एक वर्ष से कम आंकी गई है। प्रारंभिक जांच के अनुसार अत्यधिक ढलान वाले क्षेत्र में गिरने के दौरान शावक दो बड़ी चट्टानों के बीच फंस गया, जिससे उसे गंभीर आंतरिक चोटें और रक्तस्राव हुआ। आशंका है कि इन्हीं चोटों के कारण उसकी मृत्यु हुई। वन विभाग के अनुसार घटनास्थल के आसपास अभी भी हाथियों का दल विचरण कर रहा है, जिसके चलते क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरती जा रही है और लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना न हो।

इंदिरा कला संगीत विवि का दीक्षांत समारोह में 5 को डी.लिट्, 64 को शोध उपाधि, 236 को मिला पदक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।राज्यपाल श्री रमेन डेका आज इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के 17 वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल श्री डेका ने विभिन्न संकायों के सफल विद्यार्थियों को उपाधियाँ एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए। उन्होंने कहा कि कला, संगीत और संस्कृति समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय देश की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से अपने ज्ञान और कला का उपयोग राष्ट्र निर्माण तथा समाज के कल्याण के लिए करने का आह्वान किया। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा, धरसींवा विधायक डॉ. अनुज शर्मा उपस्थित रहे। समारोह में 5 शोधार्थियों को डी.लिट् की उपाधि प्रदान की गई। 64 शोधार्थियों को शोध उपाधि प्रदान की गई। 236 विद्यार्थियों को पदक वितरण किया

गया जिसमें 232 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं 4 विद्यार्थियों को रजत पदक दिया गया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते राज्यपाल ने कहा कि खैरागढ़ का यह संगीत विश्वविद्यालय राजकुमारी इन्दिरा सिंह कला संगीत विश्वविद्यालय के नाम से जाना जायेगा। इसके लिये उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से सभी प्रक्रियाएं पूर्ण करने कहा। श्री डेका ने कहा कि भारतीय संस्कृति की बहुमूल्य धरोहर ललित कलाओं के विकास में इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ का अविस्मरणीय योगदान है। लघु भारत का स्वरूप इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय दानवीर राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह एवं रानी पद्मावती देवी के दान का प्रतिफल है। अपनी राजकुमारी इन्दिरा की स्मृति को अक्षुण्ण रखने के लिए अपने महल को दान देकर उन पुण्यात्माओं ने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया। कला राष्ट्र के जीवन का एक मुख्य अंग है। संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, स्थापत्य और साहित्य का सम्बन्ध प्रत्यक्ष रूप से जीवन और समाज से रहा है। आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य यंत्रवत और संवेदनहीनता की ओर बढ़ रहा है, इसे हमें रोकना है। ललित कलाओं के माध्यम से हम मानव जीवन में सरसता ला सकते हैं। कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के सत्रहवें दीक्षान्त समारोह में पदक प्राप्तकताओं एवं उपाधि धारकों को उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हुये उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि किसी भी देश अथवा समाज को सभ्य और सुसंस्कृत बनाने के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है।

छत्तीसगढ़ देश में प्रतिदिन सबसे अधिक पीएम आवास बनाने वाला राज्य-उपमुख्यमंत्री शर्मा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा है कि ग्रामीण अंचल की समस्याओं की तेजी से निराकरण के लिए पुनः ग्रामीण सचिवालय प्रारंभ किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि देश में सबसे तेज गति से पीएम आवास बनाने के मामले में छत्तीसगढ़ पहले नंबर पर है। यहां प्रतिदिन सर्वाधिक पीएम आवास बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के ग्रामीण अंचलों में पात्र परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए

प्रथम केबिनेट में ही 18 लाख पीएम आवास स्वीकृत किए गए थे। इन आवासों को तेजी से पूर्ण कराया जा रहा है। उक्त बातें उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने आज संवाद भवन, नवा रायपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताई। इस अवसर पर उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बीते दो वर्षों में किए गए नवाचारों, उपलब्धियों तथा भावी कार्ययोजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मोर आवास मोर अधिकार को लेकर पहले हमने संघर्ष किया था, अब परिणाम का समय है। चुनाव के बाद शासन ने 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी, जिसमें वर्षों से अधूरे, प्रतिक्षा सूची में शेष, आवास प्लस में शामिल एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के आवासों को स्वीकृति प्रदान की थी। उन्होंने बताया कि न सिर्फ आवासहीनों बल्कि 3 हजार से अधिक आत्मसमर्पित एवं नक्सल पीड़ित परिवारों को आवास प्रदान किये गये हैं। विशेष पिछड़ी जनजातियों के 33 हजार से अधिक लोगों को पीएम जनमन तथा नियद नेल्ला नार के तहत नक्सल प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में 9 हजार से अधिक लोगों के आवास निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें 2 हजार से अधिक आवास पूर्ण भी हो चुके हैं।

सुरेश रजवाड़े ने शासन की सुगम धान खरीदी व्यवस्था और लाभकारी मूल्य की सराहना की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शासन के निदेर्शानुसार जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू एवं पारदर्शी ढंग से संचालित हो रहा है। शासन की किसान हितैषी नीतियों और समर्थन मूल्य में वृद्धि का सीधा लाभ अब ग्रामीण अंचलों के किसानों की आर्थिक समृद्धि के रूप में दिखने लगा है। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के ग्राम कतकालो निवासी किसान सुरेश राम रजवाड़े ने शासन की सुगम धान खरीदी व्यवस्था और लाभकारी मूल्य पर की सराहना व्यक्त की।

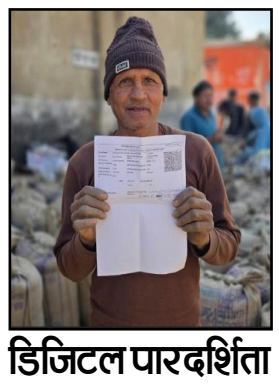

डिजिटल पारदर्शिता से मिली सुविधा

किसान सुरेश ने बताया कि पहले की तुलना में अब धान बेचना काफी सुविधाजनक हो गया है। उन्होंने बताया कि मैंने ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया, जिससे मुझे खरीदी केंद्र पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का सामना नहीं करना पड़ा। इस प्रणाली से समय की काफी बचत हो रही है और किसान अपनी सुविधा के अनुसार विक्रय की तिथि निर्धारित कर पा रहे हैं। उन्नत किसान सुरेश ने इस विपणन वर्ष में लगभग 90 क्विंटल धान का विक्रय किया है। उन्होंने बताया कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से मिल रहे दाम ने उनकी आर्थिक स्थिति को काफी संबल प्रदान किया है।

सोलर सिस्टम से बिजली उत्पादन कर कृष्ण कुमार बने उपभोक्ता से ऊर्जा दाता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ह्यपीएम सूर्य घरः मुफ़्त बिजली योजना का जमीनी असर अब आम जन के जीवन में साफ दिखाई देने लगा है। प्रतापपुर रोड निवासी कृष्ण कुमार गुप्ता इस योजना के एक प्रमुख लाभार्थी के रूप में सामने आए हैं। उन्होंने न केवल अपने घर को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक प्रेरक उदाहरण भी प्रस्तुत किया है।

घरेलू खपत से अधिक बिजली उत्पन्न होने के कारण वे अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि ह्यऊर्जा दाता बन गए हैं। उन्होंने इस परिवर्तन के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

ऊर्जा उपभोक्ता से ऊर्जा दाता बनने का सफर

योजना के अंतर्गत अपने निवास पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित कराने वाले कृष्ण कुमार गुप्ता ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 20 यूनिट बिजली का उत्पादन मिल रहा है।

सीधी सब्सिडी और सरल ऋण सुविधा

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने बताया कि सरकार द्वारा 1,08,000 तक की सब्सिडी सीधे बैंक खाते में प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि जो लोग एकमुश्त राशि जमा करने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए बैंकों के माध्यम से आसान किश्तों पर ऋण सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे सोलर सिस्टम लगवाना और भी सरल हो गया है।

आम नागरिकों से अपील

लाभार्थी कृष्ण कुमार गुप्ता ने क्षेत्र के अन्य नागरिकों से अपील की कि वे भी सरकार की इस कल्याणकारी योजना का अधिकतम लाभ उठाएँ। उन्होंने कहा कि सोलर सिस्टम लगवाना भविष्य के लिए एक बेहतरीन निवेश है, जिससे न केवल बिजली बिलों में भारी बचत होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।

एसईसीएल के विवादित आदेश को हाई कोर्ट ने किया रद्द

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। हाई कोर्ट ने भूविस्थापितों को राहत देते हुए महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, भूमि अधिग्रहण से प्रभावित भूमि स्वामियों को पुनर्वास व रोजगार से वंचित नहीं किया जा सकता। ऐसा करना संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का उल्लंघन है। हाई कोर्ट ने याचिकाकताओं को भूमि अधिग्रहण की तिथि पर लागू राज्य पुनर्वास नीति का पालन करने का निर्देश एसईसीएल को दिया है। बिलासपुर हाई कोर्ट के सिंगल बेंच ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा, भूमि अधिग्रहण से प्रभावित व्यक्तियों को पुनर्वास और रोजगार का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 से स्वाभाविक रूप से जुड़ा हुआ है। इस अधिकार से मनमाने ढंग से वंचित किया जाना संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का उल्लंघन है। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस रविंद्र कुमार वर्मा ने कहा, भूविस्थापितों को पुनर्वास नीति के तहत रोजगार दिया जाना महत्वपूर्ण अधिकार है। भूमि अधिग्रहण की तिथि से यह नीति लागू हो जाती है। इस नीति की भूमि अधिग्रहण करने वाली कंपनी या संस्था अनदेखी नहीं कर सकती। एसईसीएल के भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास को लेकर दायर याचिका पर कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा, पुनर्वास और रोजगार का अधिकार अनुच्छेद 21 का तार्किक परिणाम है और रोजगार से इनकार करना न केवल अनुचित है, बल्कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के साथ-साथ अनुच्छेद 21 का भी उल्लंघन करता है।

मामला यह है

याचिकाकताओं की कृषि भूमि वर्ष 2009 में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड एसईसीएल द्वारा अधिग्रहित की गई थी। भूमि अधिग्रहण के समय अफसरों ने भूविस्थापितों को आश्वासन दिया था कि प्रभावित परिवारों को पुनर्वास नीति के अंतर्गत रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बावजूद, जब याचिकाकताओं ने राज्य पुनर्वास नीति के तहत रोजगार के लिए आवेदन किया, तो एसईसीएल द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसईसीएल की अनदेखी को लेकर भूविस्थापितों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने अपने 20 दिसंबर 2019 के आदेश में एसईसीएल को निर्देश दिया था कि वह याचिकाकताओं के दावों पर लागू नीति के अनुसार विचार करे। हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी वर्ष 2020 में एसईसीएल ने यह कहते हुए याचिकाकताओं के दावे को खा रिज कर दिया कि याचिकाकताओं के पास दो एकड़ से कम भूमि थी, जो एसईसीएल की आंतरिक नीति के अनुरूप नहीं है। याचिकाकताओं ने इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा कि एसईसीएल की यह शर्त राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के विपरीत है और सरकारी नीति पर एसईसीएल के दिशा-निर्देश हावी नहीं हो सकते। याचिकाकताओं भूविस्थापितों ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के साथ ही रोजगार व पुनर्वास का उनका अधिकार सामने है।

एसईसीएल ने कोर्ट में दी दलीलें

एसईसीएल की ओर से पैरवी करते अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया, याचिकाकर्ता भूमि अधिग्रहण के समय नाबालिग था। भूमि उसके पूर्वजों के नाम पर थी और परिवार के एक अन्य सदस्य को पहले ही रोजगार दिया जा चुका है। यह भी आरोप लगाया गया कि शेष भूमि को कृत्रिम रूप से टुकड़ों में बांटकर कई रोजगार प्राप्त करने का प्रयास किया गया। एसईसीएल की दलीलों को सिरे से खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा, केवल इस आधार पर रोजगार से इनकार नहीं किया जा सकता कि परिवार के किसी अन्य सदस्य को पहले ही रोजगार दिया गया है। इन दलीलों से याचिकाकर्ता के अधिकार समाप्त नहीं हो जाते।

सम्पादकीय

वैश्विक व्यापार राजनीति में भारत की बड़ी आर्थिक जीत

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का संपन्न होना भारत की आर्थिक कूटनीति की बड़ी सफलता है। यह समझौता करीब 18 वर्षों की लंबी, जटिल और कई बार की ठहरी हुई बातचीत के बाद हुआ है। यह केवल आयात-निर्यात बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक भरोसेमंद, दीर्घकालिक साझेदार के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। यह समझौता ऐसे समय में सामने आया है, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था अस्थिरता, टैरिफ युद्ध और संरक्षणवादी नीतियों से जूझ रही है। अमेरिका सहित कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लगाए जा रहे शुल्कों के बीच भारत और ईयू का यह करार खुले, नियम-आधारित और भरोसेमंद वैश्विक व्यापार का मजबूत संदेश देता है। भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जबकि यूरोपीय संघ दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। दोनों मिलकर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 25 प्रतिशत, विश्व व्यापार का एक-तिहाई और दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में यह एफटीए स्वाभाविक रूप से दुनिया के सबसे बड़े द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में गिना जा रहा है। इससे भारत के श्रम-प्रधान और निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों को सबसे अधिक लाभ मिलने की संभावना है। कपड़ा, चमड़ा, जूते, ज्वेलरी, ऑटो पार्ट्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों पर यूरोपीय संघ में लगने वाली ड्यूटी कम या समाप्त होने से भारतीय उत्पाद यूरोपीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। इससे भारत का निर्यात बढ़ेगा, औद्योगिक उत्पादन को गति मिलेगी और देश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा। साथ ही, आईटी और सेवा क्षेत्र को भी यूरोप में बेहतर बाजार पहुंच मिलने से भारत की सेवा अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। इससे 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' जैसे दीर्घकालिक लक्ष्यों को ठोस आधार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक भरोसेमंद केंद्र के रूप में उभरेगा। इसका गहरा रणनीतिक और भू-राजनीतिक महत्व भी है। यूरोपीय संघ को भारत जैसा विशाल, युवा और तेजी से बढ़ता बाजार चाहिए, वहीं भारत को एक नियम-आधारित, तकनीकी रूप से उन्नत और राजनीतिक रूप से स्थिर साझेदार की आवश्यकता है। भारत ने डेयरी, अनाज, कृषि, फार्मिंग और पोल्ट्री जैसे क्षेत्रों को इससे बाहर रखकर अपने किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हितों की रक्षा भी की है। वहीं, ईयू की लग्जरी कारों पर टैरिफ 110 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत और प्रीमियम शराब पर 150 प्रतिशत से 20 प्रतिशत होना भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आएगा, हालांकि इससे घरेलू उद्योगों पर प्रतिस्पर्धात्मक दबाव बढ़ेगा। इस एफटीए के 2027 में लागू होने की संभावना है, लेकिन असली चुनौती इसके प्रभावी और संतुलित क्रियान्वयन की होगी। गैर-शुल्क बाधाएं, यूरोपीय मानकों की कठोरता और छोटे व मध्यम उद्योगों की सीमित क्षमता जैसी चुनौतियां सामने आ सकती हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि एमएसएमई, स्टार्टअप्स और श्रमिक वर्ग भी इससे समान रूप से लाभान्वित हों। यदि इसे दूरदर्शिता, संतुलन और समावेशी नीतियों के साथ लागू किया गया, तो यह निस्संदेह भारत की विकास यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

भारत-ईयू एफटीए

विवेक शुक्ला

वैश्विक चुनौतियों से निपटने की कवायद

> भारत और यूरोपीय संघ के बीच यह समझौता केवल एक व्यापारिक करार नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक क्षेत्र में एक मील का पत्थर है, जिसे कई बार रोक-टोक और बहस के बाद आज निर्णायक रूप से अंतिम रूप दिया गया है। आने वाले वर्षों में यह समझौता भारत और यूरोपीय देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। यदि इसे संतुलित और दूरदर्शी तरीके से लागू किया गया, तो यह न केवल दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक मॉडल प्रस्तुत करेगा। शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्र में भी इसके सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता हुआ है, जिसे दोनों पक्षों ने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' (सबसे बड़ी डील) के रूप में वर्णित किया है। यह समझौता लगभग 18 वर्षों से चली आ रही बातचीत का परिणाम है और इसे दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग और वैश्विक अर्थव्यवस्था में गहरे बदलाव लाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच यह समझौता केवल एक व्यापारिक करार नहीं है, बल्कि वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक क्षेत्र में एक मील का पत्थर है, जिसे कई बार रोक-टोक और बहस के बाद आज निर्णायक रूप से अंतिम रूप दिया गया है। इसे वैश्विक चुनौतियों से निपटने की कवायद कहना अधिक तर्कसंगत होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे भारत के इतिहास का सबसे बड़ा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट बताया है, जो आर्थिक समृद्धि, निवेश और साझेदारी की नई दिशा देगा। इस समझौते के तहत दोनों पक्षों ने ज्यादातर वस्तुओं पर शुल्कों को कम या समाप्त करने का निर्णय लिया है, लगभग 96.6% उत्पादों पर शुल्क समाप्त या कम किया जाएगा। भारतीय बाजार में यूरोपीय कारों पर शुल्क 110% से घटाकर 10% तक लाया जाएगा।

शराब पर शुल्क में भारी कटौती होगी, जिससे ये वस्तुएं भारत में सस्ती होंगी। भारत को अपनी टेक्सटाइल, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, रसायन और इंजीनियरिंग सामान को यूरोपीय बाजार में अधिक आसानी से निर्यात करने का मौका मिलेगा। इस समझौते में केवल व्यापारिक पहलू ही नहीं, बल्कि रणनीतिक और सुरक्षा साझेदारी को भी स्थान दिया गया है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और रक्षा तकनीक सहयोग शामिल हैं। इससे यूरोपीय कंपनियों को भारत जैसे बड़े और तेजी से बढ़ते हुए बाजार में प्रत्यक्ष और आसान पहुंच। वाहन, मशीनरी, वाइन और मोटर गाड़ियों जैसे उत्पादों को भारतीय बाजार में विस्तृत अवसर मिलेगा। यूरोप को वैश्विक व्यापार में भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी का लाभ। यह समझौता वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव लाएगा, खासकर तब, जब अमेरिका और चीन जैसे बड़े आर्थिक संरचनाएं भी वैश्विक व्यापार नियमों और साझेदारियों में बदलाव ला रहे हैं। विशेष रूप से, अमेरिका द्वारा टैरिफ में वृद्धि और व्यापारिक दबाव के बीच, यह भारत और यूरोप के लिए एक विकल्प और समाधान के रूप में उभर रहा है। इससे विश्वव्यापी व्यापारिक जोखिमों से निपटने में मदद मिलेगी। यद्यपि समझौता आज घोषित हुआ है, इसे लागू होने के लिए अभी कुछ क़ानूनी प्रक्रियाएं और संसद/सम्मेलन की मंजूरी लेनी होगी। कुछ संवेदनशील क्षेत्रों, जैसे कृषि, पर अभी भी बहस जारी रहने की संभावनाएं हैं। विभिन्न उद्योगों को अनुकूल बनाने के लिए समय और नीतिगत समर्थन की आवश्यकता होगी। यह समझौता केवल व्यापार समझौता नहीं, बल्कि भारत और यूरोपीय देशों के बीच गहरे, रणनीतिक, आर्थिक और साझेदारी के नए अध्याय का उद्घाटन है। यह न केवल दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता, निवेश, तकनीकी सहयोग और बहुपक्षीय व्यापार ढांचे को भी मजबूती देगा। भविष्य में, इसके लाभ भारतीय उद्योगों, उपभोक्ताओं और निवेशकों को मिलने की उम्मीद है, जिससे भारत को वैश्विक व्यापार का एक मजबूत

नेतृत्वकर्ता देश बनने का अवसर मिलेगा। यह समझौता केवल व्यापारिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक, रणनीतिक, तकनीकी और वैश्विक साझेदारी के नए आयामों को भी परिभाषित करता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जब विश्व अर्थव्यवस्था अनेक चुनौतियों से गुजर रही है, भारत-यूरोप समझौता स्थिरता, विकास और सहयोग का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। भारत और यूरोपीय देशों के बीच सहयोग का इतिहास कई दशकों पुराना है। यूरोपीय संघ भारत का एक प्रमुख व्यापारिक और निवेश साझेदार रहा है। हालांकि, व्यापक स्तर पर एक औपचारिक और संतुलित समझौते को अंतिम रूप देने में काफी समय लगा। इसके पीछे दोनों पक्षों के अपने-अपने आर्थिक हित, नीतिगत प्राथमिकताएं और संवेदनशील क्षेत्र रहे हैं। यह समझौता लंबी बातचीत, आपसी विश्वास और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप सोच का परिणाम है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य भारत और यूरोपीय देशों के बीच व्यापार को सरल, पारदर्शी और अधिक लाभकारी बनाना है। इसके अंतर्गत वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना, निवेश को प्रोत्साहित करना, तकनीकी सहयोग को सशक्त बनाना और रोजगार के नए अवसर सृजित करना शामिल है। साथ ही, यह समझौता दोनों क्षेत्रों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक-दूसरे का भरोसेमंद भागीदार बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। समझौते के अंतर्गत दोनों पक्षों ने कई उत्पादों पर आयात-निर्यात शुल्क कम करने या समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की है। इससे भारतीय उत्पादों को यूरोपीय बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य पर पहुंचने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से वस्त्र, परिधान, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण, कृषि-आधारित उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स और इंजीनियरिंग सामान को इसका लाभ मिलने की संभावना है। दूसरी ओर, यूरोपीय देशों के उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक उत्पाद, मशीनरी, ऑटोमोबाइल, तकनीकी उपकरण और पर्यावरण अनुकूल वस्तुएं भारतीय बाजार में अधिक सहजता से उपलब्ध होंगी। यह समझौता केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवाक्षेत्र को भी समान महत्व देता है। सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाएं, अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य और पेशेवर सेवाओं में सहयोग को प्रोत्साहन मिलेगा। भारतीय आईटी और सेवा कंपनियों को यूरोप में नए अवसर प्राप्त होंगे, जबकि यूरोपीय निवेशकों को भारत के तेजी से बढ़ते सेवा क्षेत्र में निवेश का आकर्षक वातावरण मिलेगा। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए नियमों को सरल और स्पष्ट बनाने पर भी बल दिया गया है। इस समझौते से भारतीय अर्थव्यवस्था को कई स्तरों पर लाभ होने की उम्मीद है।

सबसे पहले, निर्यात में वृद्धि से विदेशी मुद्रा आय बढ़ेगी। दूसरा, घरेलू उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में सुधार होगा। तीसरा, नए निवेश और परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, जो भारत जैसे युवा आबादी वाले देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि यह समझौता अनेक अवसर लेकर आया है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं। घरेलू उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना एक बड़ी चुनौती होगी। कुछ क्षेत्रों में छोटे और मध्यम उद्यमों को प्रारंभिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। आने वाले वर्षों में यह समझौता भारत और यूरोपीय देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। यदि इसे संतुलित और दूरदर्शी तरीके से लागू किया गया, तो यह न केवल दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक मॉडल प्रस्तुत करेगा। शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के क्षेत्र में भी इसके सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

यूजीसी बिल

डॉ. घनश्याम बादल

सामाजिक न्याय या संवैधानिक असंतुलन

हाल में लागू किए गए यूजीसी के नए इक्विटी और शिकायत निवारण संबंधी प्रावधानों ने विश्वविद्यालय परिसरों से निकलकर सड़कों, दफ्तरों और सामाजिक चेतना तक को झकझोर दिया है। एक ओर दलित और पिछड़े वर्ग इन नियमों को लंबे समय से चली आ रही संस्थागत उपेक्षा के विरुद्ध सुरक्षा-कवच मान रहे हैं, तो दूसरी ओर सवर्ण समाज का एक बड़ा हिस्सा इन्हें समानता के सिद्धांत के विरुद्ध और "उल्टे भेदभाव" की ओर ले जाने वाला मान रहा है। इस टकराव ने तब और तीखा रूप ले लिया, जब वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री द्वारा सार्वजनिक असहमति और इस्तीफे और बाद में शासन द्वारा उन्हें निलंबित करके उनकी आवाज को दबाने के प्रयास ने इसे राष्ट्रीय बहस का रूप दे दिया। हालांकि, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि क्या एक सरकार के अधीन कार्य कर रहे उच्च अधिकारी को सरकार की नीतियों के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान देना चाहिए? नियम अनुसार तो यह सरकारी कर्मचारियों के कोड ऑफ कंडक्ट के विरुद्ध ही जाता है और उन्हें निलंबित करने के पीछे सरकार की मंशा भी साफ है कि वह ऐसी हर आवाज को दबा देना चाहती है जो उसके अपने ही अधिकारी द्वारा उठाई जाए। यह विवाद केवल यूजीसी के किसी एक नियम का नहीं है, बल्कि उस संवैधानिक संतुलन का है, जिस पर भारत की सामाजिक संरचना टिकी हुई है। आंकड़े बताते हैं कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव, बहिष्कार, सूक्ष्म अपमान और अवसरों की असमानता आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। छात्रावास, शोध निर्देशन, मूल्यांकन और यहां तक कि अनौपचारिक अकादमिक नेटवर्क हर जगह असमान शक्ति-संतुलन मौजूद है।

इस पृष्ठभूमि में इक्विटी सेल, विशेष शिकायत समितियां और संरक्षित प्रक्रिया दलित-पिछड़े वर्गों को राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी का निर्वहन प्रतीत होती हैं। संविधान का अनुच्छेद 15(4) और 15(5) राज्य को यह अधिकार देता है कि वह ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों के लिए विशेष प्रावधान करे। इस वर्ग का तर्क है कि समानता तब तक खोखली है, जब तक असमान सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों को बराबर करने के लिए अतिरिक्त सहारा न दिया जाए। उनके लिए यह बहस "समान अवसर" बनाम "विशेष अवसर" की नहीं, बल्कि सम्मान और सुरक्षा की है। वहीं इस संदर्भ में सवर्ण समाज की चिंता को भी दरकिनार नहीं किया जा सकता है। इस यूजीसी बिल के आने से उसके मन में आशंका और असुरक्षा की भावना घर कर रही लगती है, लेकिन इस बहस का दूसरा पक्ष भी उतना ही वास्तविक है। सवर्ण समाज का एक बड़ा तबका मानता है कि नए यूजीसी नियमों में शिकायत तंत्र की संरचना ऐसी है, जिसमें पूर्वाग्रह की आशंका निहित है। अस्पष्ट परिभाषाएं, एकतरफा प्रतिनिधित्व और प्रारंभिक जांच के बिना कार्रवाई की संभावना, ये सभी घटक भय का वातावरण पैदा करते हैं। अब यहां जानना होगा कि आखिर इस प्रतिवाद के पीछे असली प्रश्न क्या है? न्याय या असंतुलन? इस पूरे विवाद का प्रश्न यह नहीं है कि सामाजिक न्याय चाहिए या नहीं, इस पर लगभग सर्वसम्मति है। असली प्रश्न यह है कि सामाजिक न्याय को लागू करते समय संवैधानिक संतुलन कैसे बनाए रखा जाए। यह बात हम सबको ध्यान में रखनी होगी कि संविधान न तो प्रतिशोध का दस्तावेज़ है और न ही किसी वर्ग विशेष की स्थायी ढाल। वह सुधारात्मक न्याय की अनुमति तो देता है, लेकिन बदले में नैसर्गिक न्याय, निष्पक्ष प्रक्रिया और समान गरिमा की भी मांग करता है। यह भी जानना श्रेयस्कर होगा कि इस संघर्ष और ऊहापोह के बीच आगे का रास्ता क्या हो। यूजीसी और सरकार के लिए यह समय आत्ममंथन का है, इसलिए आवश्यक है कि शिकायत तंत्र सभी वर्गों के लिए समान रूप से सुलभ और संतुलित हो।

प्रारंभिक जांच, समयबद्ध प्रक्रिया और अपील की स्पष्ट व्यवस्था हो, अकादमिक स्वतंत्रता और वैचारिक बहस को संरक्षित किया जाए, तथा राज्यों, शिक्षकों और छात्रों से व्यापक परामर्श हो। दूसरी कड़वी सच्चाई यह भी है कि राजनीति लगभग हर क्षेत्र में अपना हित ढूंढने लगती हैं। यूजीसी के नए नियमों पर छिड़ी बहस रेखांकित करती है कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज़ है, जो संतुलन, विवेक और संवाद से चलता है। सवर्ण, दलित और पिछड़े तीनों की चिंताएं वास्तविक हैं और तीनों की उपेक्षा लोकतंत्र को कमजोर करेगी। आवश्यकता है कि नीति भावना नहीं, बल्कि संवैधानिक विवेक से चलें, क्योंकि अंततः विश्वविद्यालय किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे समाज के भविष्य का निर्माण करते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शांति से सभी दुखों को खत्म किया जा सकता है

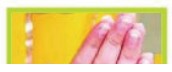

संकलित

दर्शन

हम स्वयं शांति के सर्वश्रेष्ठ प्रहरी हैं। हमें कोई दूसरा व्यक्ति या वस्तु या स्थान शांति दे सकता है, यह एक काल्पनिक विचार है। हम स्वयं शांति से रह सकते हैं और दूसरों को भी शांतिपूर्वक रख सकते हैं। शांति एक मानवीय गुण तो है ही, लेकिन यह आत्मिक शक्ति है। शांति सभी सुखों की मूल है। इससे सभी वैभव एवं ऐश्वर्य की पूर्ति संभव है। शांति द्वारा सभी दुखों का शमन किया जा सकता है। इससे हर रोग का निदान होता है। शांति का माध्यम सभी समस्याओं का समाधान तैयार करता है। शांति ही देश का निर्माण करती है, वहीं अशांति से देश का पतन आरंभ होता है। शांति और अशांति के बीच समाज, समुदाय, वर्ग, कौम, जाति और संस्थाएं गतिहीन हो जाती हैं। देश की उन्नति, विकास और पुनर्निर्माण के लिए शांति का वातावरण अनिवार्य है। शांति एक शब्द मात्र नहीं है। शांति को मन मंदिर में बसाने वाले लोग देव तुल्य होते हैं। इसलिए स्वयं भी शांति के प्रहरी बनिए और दूसरों को भी शांति दूत बनाइए। यही संसार के मंगल का भेद है। शांति से बड़ी कोई दौलत नहीं है। परिवार में शांति एक वट वृक्ष की तरह है, जिसकी छाया में आनंद की अनुभूति पाई जा सकती है। अशांति कालांतर में अग्नि के समान जीवन के हर अंग को भस्म कर देती है। मानवता का मूल इसी शांति के गर्भ में स्थिर है। यदि जीवन को सुख और वैभव से संपन्न करना हो तो निश्चित ही शांति की पूजा करनी होगी। देश में जन सामान्य को शांति के सूत्र अपनाने चाहिए।

ब्रह्माजी को दंड देने के लिए प्रकट हुए थे कालभैरव

संकलित

प्रेरणा

शिवजी के 19 अवतारों में से एक है कालभैरव। भैरव अवतार से जुड़ी कई अलग-अलग मान्यताएं हैं। कुछ मान्यताओं में ब्रह्माजी को दंड देने के लिए शिवजी के क्रोध से कालभैरव प्रकट हुए थे। कालभैरव की उत्पत्ति से जुड़ी सृष्टि की शुरुआत के समय की बहुत प्रचलित कथा है। एक दिन ब्रह्मा जी और विष्णु जी खुद को श्रेष्ठ बताने के चक्कर में विवाद करने लगे। विवाद इतना बढ़ गया कि युद्ध की स्थिति बन गई। उस समय शिवलिंग प्रकट हुआ और शिव जी ने इन दोनों का विवाद शांत किया। उसी समय वहां एक विशाल पुरुष की आकृति प्रकट हुई। ये आकृति शिवजी का ही एक रूप थी। शिव जी ने उससे कहा कि तुम काल के समान हो और भीषण हो। इसी वजह से तुम्हारा नाम कालभैरव होगा। पंचमुखी ब्रह्मा जी बार-बार खुद को श्रेष्ठ बताने की कोशिश कर रहे थे। उस समय ब्रह्मा जी को दंड देने के लिए कालभैरव ने ब्रह्माजी का एक सिर काट दिया था। इस घटना के बाद से ब्रह्मा जी चतुर्मुखी हो गए। शिव जी ने कालभैरव को काशी का नगरपाल बना दिया। कालभैरव की पत्नी भैरवी देवी पार्वती की अवतार हैं। कालभैरव की पूजा में शराब (मदिरा), तामसिक खाना खासतौर पर चढ़ाया जाता है। दरअसल, कालभैरव हमारी बुराइयों को खत्म करने वाले देवता हैं। इनकी पूजा करते समय भक्त नशे की चीजें चढ़ाकर अपनी बुराइयां छोड़ने का संकल्प लेता है। जो लोग इस संकल्प को निभाते हैं, उन्हें भैरव की विशेष कृपा मिलती है।

अंतर्मन

आज की पाती

गणतंत्र के 77 वर्ष

भारत का गणतंत्र 77 वर्ष का हो चुका है। 26 जनवरी 1950 को लागू हुए संविधान ने एक नए भारत की नींव रखी, जो स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानों से प्रेरित थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हमने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की- साहित्य, खेल, कृषि, विज्ञान-प्रौद्योगिकी से लेकर आर्थिक-सैन्य क्षमता तक। विविध संस्कृति को मजबूत करते हुए राष्ट्र ने वैश्विक पटल पर अपनी पहचान बनाई। चंद्रयान मिशनों से अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी बने, यूपीआई जैसी डिजिटल क्रांति ने भुगतान व्यवस्था बदल दी, जबकि ओलंपिक-एशियाड में पदकों की बौछार ने खेलक्षेत्र में नई ऊंचाइयां छुईं। आज विश्व भारत को चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देखता है, जहां विकास दर ने गरीबी उन्मूलन में योगदान दिया।

- दीपक वर्मा, सरायपाली

ट्रेंड

सीखने के अवसर

किसी भी शोध संगठन की सबसे बड़ी पूंजी उसके लोग होते हैं। आपके वैज्ञानिक, इंजीनियर और तकनीशियन ही आपकी वास्तविक शक्ति हैं। उन्हें सीखने के अवसर देने होंगे, नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपनी होगी और उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि उनके विचारों को सुना जाएगा।

- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

मुक्त व्यापार समझौता

आज भारत ने अपने इतिहास में अब तक के सबसे बड़े मुक्त व्यापार समझौते को संपन्न किया है। आज 27 तारीख है और ये सुखद संयोग है कि आज ही के दिन, यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ भारत ये एफटीए कर रहा है।

- पीयूष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री

पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति

सिर्फ राष्ट्रपति भवन में ही नहीं, जब राहुल गांधी असम आए, तब भी उन्होंने गमोछा पहनने से इनकार किया। गांधी परिवार के लिए असम और पूर्वी उत्तर भारत की संस्कृति कोई मायने नहीं रखती।

-हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

स्वास्थ्य सर्वोपरि

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक सुरक्षा सर्वोपरि है। अक्सर बच्चे तनाव और अवसाद के साथ-साथ ऑटिज्म जैसी स्थितियों से भी जूझ रहे होते हैं, जिसे सामान्यतः माता-पिता और शिक्षक भी समय पर पहचान नहीं पाते।

-अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

सिंगापुर में भारत सहित 8 विदेशी मेडिकल डिग्रियों को मान्यता

सिंगापुर में डॉक्टर बनने के इच्छुक छात्र अब भारत के 'मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन' सहित आठ और विदेशी संस्थानों में मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे। सिंगापुर ने उम्रदराज होती आबादी के कारण डॉक्टरों की बढ़ती मांग को पूरा करने के उद्देश्य से इन विश्वविद्यालयों की डिग्रियों को मान्यता देने का फैसला किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय और सिंगापुर चिकित्सा परिषद ने संयुक्त बयान में कहा कि नयी मंजूरी प्राप्त ये संस्थान सिंगापुर को उम्रदराज़ होती जनसंख्या के बीच डॉक्टरों की बढ़ती जरूरत को बेहतर ढंग से पूरा करने में मदद करेंगे। इन आठ विश्वविद्यालयों को शामिल किए जाने के साथ ही एक फरवरी 2026 तक सिंगापुर में मान्यता प्राप्त विदेशी मेडिकल स्कूलों की संख्या 112 से बढ़कर 120 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि उसने चिकित्सा पंजीकरण अधिनियम, 1997 की दूसरी अनुसूची में आठ मेडिकल स्कूलों को जोड़ने संबंधी एसएमसी की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है। मणिपाल के अलावा जिन विश्वविद्यालयों को सूची में शामिल किया गया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड विश्वविद्यालय, आयरलैंड का यूनिवर्सिटी ऑफ गॉलवे, मलेशिया का यूनिवर्सिटी सैन्स मलेशिया, पाकिस्तान का आगा खान यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज, चीन का त्सिंगहुआ विश्वविद्यालय, ब्रिटेन का यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर और ब्रिटेन का ही सिटी सेंट जॉर्ज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन शामिल हैं।

ऑफ बीट

समुद्र में कहां से आते हैं सीप कई जीव भी बनाते हैं कंकाल

सीप बस जीवों के कंकाल ही हैं। लेकिन इंसानों और अधिकतर दूसरे पशुओं से अलग, इन घोंघों, क्लैम, ऑयस्टर और मसेल्स में एक एक्सोस्केलेटन होता है, जिसका मतलब है कि यह उनके शरीर के बाहर होता है। जब सीपियों की बात होती है, तो उनका मतलब आमतौर पर घोंघों जैसे जीवों के बाहरी खोल यानी शेल से होता है। कई दूसरे समुद्री जीव भी कंकाल बनाते हैं, जिनमें सैंड डॉलर जैसे इकाइनोइड्स शामिल हैं जो अंदरूनी कंकाल बनाते हैं। ये समुद्री जीव अपने नरम शरीर को बाहरी खतरों, जैसे शिकारियों या उनके रहने की जगह में होने वाले बदलावों से बचाने के लिए अपने शेल खुद बनाते हैं। शेल इन समुद्री जीवों को समुद्र तल पर स्थिर रहने, बड़ा होने या ज़्यादा अच्छे से घूमने में भी मदद कर सकते हैं। इस बाहरी आवरण या शेल बनाने की प्रक्रिया को 'बायोमिनरलाइजेशन' कहते हैं। समुद्री जानवर शेल कैसे बनाते हैं, यह अलग-अलग प्रजातियों के हिसाब से अलग हो सकता है, लेकिन इन सभी जानवरों के शेल बनाने के लिए खास ऊतक होते हैं। अधिकतर समुद्री जीव अपने शेल कैल्शियम कार्बोनेट से बनाते हैं, जो एक मजबूत मिनरल है और लाइमस्टोन में भी पाया जाता है। कुछ स्पंज और सूक्ष्मजीव एक और पदार्थ सिलिका का इस्तेमाल करते हैं।

नहीं थम रही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दादागीरी'

अब क्यूबा को धमकाया, कहा- जल्द गिरेगी सरकार, वेनेजुएला से मिलने वाले पैसे खत्म

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दादागिरी' थमती नहीं दिख रही है। वेनेजुएला में तख्तापलट को अभी एक महीना भी नहीं बीता है कि अब अमेरिका की नजर कैरेबियन देश क्यूबा पर जा टिकी है। ट्रंप ने क्यूबा पर हमले की धमकी दी है, जिसके बाद क्यूबा में अफरा-तफरी मच गई है। युद्ध के डर से क्यूबा के पेट्रोल पंप से लेकर राशन की दुकानों पर लोगों की लंबी लाइन लग गई है। दरअसल वेनेजुएला, क्यूबा का सबसे बड़ा तेल का आपूर्तिकर्ता है। ऐसे में ट्रंप का कहना है कि एक बार वेनेजुएला क्यूबा को तेल और पैसा देना बंद कर देगा, तो क्यूबा की सरकार अपने आप गिर जाएगी।

बता दें, 3 जनवरी 2025 को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास पर हमला करते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से ट्रंप क्यूबा को लगातार धमकी दे रहे हैं। ट्रंप ने क्यूबा के सामने समझौता करने की पेशकश की थी। मगर, ट्रंप की धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए क्यूबा के राष्ट्रपति मिगेल डियाज कैनेल ने साफ कर दिया है कि हम अमेरिका के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका जबरदस्ती क्यूबा पर दबाव नहीं बना सकता है।

युद्ध के डर से पेट्रोल पंप और राशन की दुकानों पर लंबी लाइन लग गई

मिगेल डियाज कैनेल

डोनाल्ड ट्रंप

मिनेसोटा में निर्वासन पर जज ने लगाई रोक

अमेरिका में फेडरल जज फ्रेड बियरी ने एक बहुत ही अहम आदेश दिया है जिसमें एक पांच साल के इक्वेडोर बच्चे और उसके पिता को निर्वासित करने से रोक दिया गया है। यह फैसला अमेरिका के दक्षिणी टेक्सास के सत्र न्यायालय में सुनाया गया। पांच साल के लियम कोनेजो रामोस और उनके पिता एड्रियन अलेक्जेंडर कोनेजो एरियस को पहले मिनेसोटा से गिरफ्तार किया गया था। जज फ्रेड बियरी ने कहा है कि जब तक उनके मामले की सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक उन्हें निर्वासित या दूसरे स्थान पर भेजा नहीं जा सकता। अब वे दोनों टेक्सास के डिली परिवार डिटेंशन सेंटर में हैं।

टेक्सास में एच-1बी वीजा पर रोक

अमेरिका के टेक्सास राज्य में एच-1बी वीजा को लेकर रिपब्लिकन गवर्नर ग्रेग एबॉट ने राज्य की सभी एजेंसियों और सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को अगले साल तक नए एच-1बी वीजा याचिकाएं दायर करने से रोकने का आदेश दिया है। गवर्नर एबॉट का कहना है कि इस अस्थायी रोक से एच-1बी वीजा के लिए 'कानूनी सुरक्षा ढांचा' तैयार करने का समय मिलेगा। इसके साथ ही, कांग्रेस अगर संघीय कानून में कोई बदलाव करती है और ट्रंप प्रशासन जो सुधार लागू करना चाहता है, उन्हें समझने और लागू करने का अवसर भी मिलेगा।

क्यूबा की अर्थव्यवस्था संकट में

क्यूबा पहले से अर्थव्यवस्था संकट में है, बिजली कटौती और तेल की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। मेक्सिको ने हाल ही में तेल सप्लाई रद्द कर दिया, जिससे क्यूबा की मुश्किलें और बढ़ीं। पर्यटन भी घट गया है, जिससे राजस्व में भारी गिरावट हुई है। अपने गहरे होते ऊर्जा और आर्थिक संकट में, क्यूबा मैक्सिको, रूस और पहले वेनेजुएला जैसे सहयोगियों से मिलने वाली विदेशी सहायता और तेल शिपमेंट पर काफी हद तक निर्भर रहा है।

पेट्रोल पंप पर कारों की कतार

दावोस वाले बयान पर अड़े कार्नी

अमेरिका पर कसा तंज, बोले जो कहा था वही मतलब था

ओटावा। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने साफ शब्दों में कहा है कि दावोस में दिए गए अपने भाषण पर वह पूरी तरह कायम हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस दावे को उन्होंने सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि कार्नी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करते हुए अपने बयान से पीछे हटने की कोशिश की। कार्नी ने खुलासा किया कि कनाडा अगले छह महीनों में चार महाद्वीपों पर 12 नए व्यापार समझौते करने की दिशा में काम कर रहा है, ताकि अमेरिका पर निर्भरता कम की जा सके। दावोस में कार्नी ने बिना ट्रंप का नाम लिए बड़ी शक्तियों द्वारा छोटे देशों पर आर्थिक दबाव डालने की आलोचना की थी।

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी

ट्रंप ने खुद फोन किया

कार्नी ने बताया कि ट्रंप ने खुद उन्हें फोन किया था। मैंने उन्हें चीन के साथ हमारे सीमित समझौते के बारे में बताया और यह भी समझाया कि हम क्या कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अगर कनाडा बीजिंग के साथ बड़ा व्यापार समझौता करता है, तो कनाडाई सामानों पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। कार्नी ने दोहराया कि कनाडा का चीन के साथ कोई व्यापक व्यापार समझौता करने का इरादा नहीं है।

यूएस के जंगी जहाजों से घिरा ईरान

समर्थन में आए मुस्लिम देश, कहा हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं होने देंगे

अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के एक महीने बाद ईरान के अधिकारियों ने बुधवार को अमेरिका की तरफ से संभावित सैन्य हमले के खतरे को लेकर मध्य पूर्व के अन्य देशों से संपर्क साधा है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने संकेत दिया है कि वे अपने हवाई क्षेत्र को किसी भी हमले के लिए इस्तेमाल नहीं होने देंगे। हालांकि, अमेरिका ने यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई मिसाइल विध्वंसक पोतों को इस क्षेत्र में तैनात कर रखा है, जिनका उपयोग समुद्र से हमले करने के लिए किया जा सकता है। यही कारण है कि ईरान हमले से पहले कूटनीतिक तौर पर तेजी से काम कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर हमले का आदेश देंगे या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि उन्होंने दो लक्ष्मण रेखाएं खींच दी हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की हत्या रोकने और गिरफ्तार सभी प्रदर्शनकारियों को छोड़ने को कहा है।

जवाबी कार्रवाई के लिए ईरान तैयार

ट्रंप की धमकियों को देखते हुए ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयारी तेज कर दी है। ईरान ने यूएसएस अब्राहम लिंकन पर नजर रखने और उसे निशाना बनाने के लिए गाजा ड्रोन तैनात किए हैं, जिनमें से प्रत्येक आठ लेजर-निर्देशित मिसाइलों से लैस है। यूएसएस अब्राहम लिंकन वर्तमान में ओमान के पास, ईरानी तटों से 700 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर स्थित है। वहीं, बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने बताया कि ईरान की तरफ से प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई में कम से कम 6,221 लोग मारे गए और कई अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। ईरान का सरकारी मीडिया प्रदर्शनकारियों को केवल आतंकवादी कह रहा है।

मलिकी सत्ता में आए तो समर्थन नहीं देंगे: ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इराक को आगाह किया कि अगर उसके पूर्व पीएम नूरी अल-मलिकी फिर से सत्ता में आते हैं, तो अमेरिका देश का समर्थन नहीं करेगा। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कुछ दिन पहले 'कोऑर्डिनेशन फ्रेमवर्क' नाम के प्रमुख राजनीतिक गठबंधन ने नूरी अल-मलिकी का समर्थन करने की घोषणा की थी। इस गठबंधन में प्रमुख शिया दल भी शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन नूरी अल-मलिकी को ईरान का करीबी मानता है।

विंग्स इंडिया 2026 का शुभारंभ

हैदराबाद। एशिया की सबसे बड़ी नागरिक उड्डयन प्रदर्शनी और सम्मेलन, विंग्स इंडिया 2026 के दौरान हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर बुधवार, 28 जनवरी, 2026 को विमानों का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मार्क जेफरी एरोबैटिक टीम ने करतब दिखाए। अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग ने अनुमान लगाया है कि बढ़ते एयर ट्रैफिक को संभालने के लिए 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को करीब 3,300 नए विमानों की जरूरत होगी। हैदराबाद में बोइंग ने अपना 'कमर्शियल मार्केट आउटलुक' पेश किया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (यूरेशिया और भारतीय उपमहाद्वीप) अश्विन नायडू ने बताया कि भारत एक बढ़ता बाजार है और अगले 20 वर्षों में यहां विमानों का बेड़ा चार गुना बढ़ जाएगा।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700139

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
नमना कला प.ह.न. 00020 [372/8(0.0280हे0)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार मधु अग्रवाल,
अनावेदक पक्षकार -गोपाल अग्रवाल,
ईश्तहार
आवेदक मधु अग्रवाल पनि प्रदीप गर्ग निवासी शिवनंदनपुर तहसील विश्रामपुर जिला सूरजपुर छ०म० के द्वारा ग्राम नमनाकता स्थित भूमि खसरा नंबर 372/8 मेसे रकबा 0.028 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 07/10/2016 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।
तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) ईश्तहार
रा०प्र०क्र०-/अ-2/2025-26
ग्राम पंचायत बुढ़ाबगीचा

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम बुढ़ाबगीचा को सूचित किया जाता है कि आवेदक अभिषेक सोनी आ० राजाराम सोनी, जाति-सोनार, निवासी ग्राम बुढ़ाबगीचा, तह०-राजपुर, जिला बलरामपुर-रा०गंज (छ०ग०) द्वारा अपने नाम की भूमि जो ग्राम बुढ़ाबगीचा, प.ह.नं. 14 रा०नि०मं.-राजपुर स्थित भूमि स्वामित्व हक की भूमि खसरा नं0-30/2 रकबा 0.022 हे० भूनि को कृषि प्रयोजन से भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन हेतु आवेदन पत्र, मय बी-1, खसरा, शपथ पत्र, के साथ आवेदन पेश किया है, जो न्यायालय में व्यपवर्तन हेतु विचाराधीन है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 12/02/2026 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।
अनुविभागीय अधिकारी
राजपुर जिला बलरामपुर-

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सफी अहमद पिता अब्दुल वहिद जाति मुसलमान निवासी मोमिनपुरा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 4795/1 रकबा 0.043 हे0 में से 0.012 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०) रा०प्र०क्र०/अ-6/2025-26 ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका लालो मरावी पति स्व. शिवनाथ राम, निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 1140, 1147, 1149, 1299, 1322, 1325, 1455, 1469 कुल खसरा नंबर 06 कुल रकबा 0.390 हे0 के वर्तमान भूमि स्वामी शिवनाथ राम आ. साधो मृत्यु होने के कारण उनके विधिक वारिशों के नाम पर फौती नामांतरण दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/02/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा । आज दिनांक12/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।
अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष ग्राम प.ह.न. ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मानसाय पिता गोलन राम जाति चमार निवासी ग्राम शिवप्रसादनगर प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक स्वय का मानसाय का जन्म / मृत्यु दिनांक 23-10-1996 को ग्राम शिवप्रसादनगर में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने स्वय का मानसाय का जन्म / मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत शिवप्रसादनगर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं. अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 13/02/2026 आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 28/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० ईश्तहार
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद पटेल आ० राजदेव पटेल, उम्र 35 वर्ष, जाति कुर्मी निवासी वार्ड नं. 32 शीतला वार्ड अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक द्वारा अनावेदक शिवशंकर साहू आ० बंजर प्रसाद साहू, जाति तेली, निवासी बिलासपुर चौक के पास मणीपुर अम्बिकापुर के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 09 मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 3385/22 में से रकबा 655.9 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 23.10.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र विलेख के आधार पर उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से विक्रेता/अनावेदक का नाम विलोपित कर स्थथ का नाम दर्ज कराने हेतु पंजीबद्ध विक्रय पत्र विलेख की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 20/01/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमन अग्रवाल पिता संजय अग्रवाल वगै० जाति अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2/95 रकबा 0.221 हे0 में से 0.044 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अमन अग्रवाल पिता संजय अग्रवाल वगै० जाति अग्रवाल निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 2/95 रकबा 0.221 हे0 में से 0.048 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक : 29/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700144

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः राजस्व
सत्तः-2025-2026
नमना कला प.ह.न. 00020 [157/486(0.04000)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार रशिम सिंह
अनावेदक पक्षकार -दिलीप मास्कोले.
ईश्तहार
आवेदक रश्मि सिंह पत्नी स्व० दिलीप सिंह मस्कोले निवासी वार्ड नंबर 06 फारेस्ट कॉलोनी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 157/486 रकबा 0.040 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में मृतक खातेदार दिलीप सिंह का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।
तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रेनु अग्रवाल पत्नी राधेश्याम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी नवापारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 40/249 रकबा 0.0500 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुकेश कुमार अग्रवाल आ० रमेशचन्द्र अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी बरियो तहसील राजपुर जिला बलरामपुर (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 40/247 रकबा 0.050 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है. जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी
(रा) अम्बिकापुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०) ईश्तहार
रा०प्र०क्र०/अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विनोद कुमार अग्रवाल पिता कलीराम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी खरसिया रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम कांतिप्रकाशपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 11/4, 47/3 रकबा 0.045, 0.122 हे० भूमि को कृषि भिन्न व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 29/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) रा.प्र.क्र..... ब/121 वर्ष ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजू पिता लालमन जाति पनिका निवासी ग्राम गंगौटी प.ह.न. 07 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र कृयांश आ. राजू का जन्म दिनांक 23.04.2021 को ग्राम गंगौटी में हुआ है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र कृयांश आ. राजू का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत गंगौटी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 04.02.2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।आज दिनांक 28.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
नायब तहसीलदार भैयायान
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

गांधी टॉक्स का ट्रेलर रिलीज, बिना बोले दमदार कहानी दिखाती है फिल्म

मुंबई। विजय सेतुपति की आगामी साइलेंट फिल्म 'गांधी टॉक्स'का ट्रेलर रिलीज हो गया है। साइलेंट फिल्म होने के नाते ट्रेलर में एक भी डायलॉग नहीं है। लेकिन हां, एआर रहमान का संगीत ट्रेलर को रोमांचक बनाता है। । 'गांधी टॉक्स' 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर आपको चार्ली चैपलिन की फिल्मों के दौर की भी याद दिलाएगा। ट्रेलर से पता चलता है कि कहानी के केंद्र में विजय सेतुपति हैं। ट्रेलर फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ाता है। यह फिल्म बेरोजगार विजय सेतुपति की कहानी है, जिसे अपने घर के सामने रहने वाली पड़ोसी अदिति राव से प्यार हो जाता है। दूसरी कहानी करोड़पति अरविंद स्वामी की है, जो अपनी सारी दौलत खो देता है।

लाइफ Style

मिमी

स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान उत्पीड़न का लगाया आरोप

एजेंसी ⏭ मुंबई

मिमी चक्रवर्ती ने एक लाइव स्टेज शो के दौरान उत्पीड़न और अपमान का आरोप लगाया है। यह घटना रविवार को बनगांव शहर के नयाग्राम इलाके में हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हुई। मिमी की शिकायत के अनुसार, आयोजकों में से एक व्यक्ति तन्मय शास्त्री स्टेज पर चढ़ गया। उसने मिमी की परफॉर्मेंस को बीच में रोक दिया।

मिमी ने कहा कि इस घटना से उन्हें बहुत अपमान और बुरा लगा। उन्होंने ईमेल के जरिए बनगांव पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दी। दूसरी तरफ, आयोजक युवक संघ क्लब ने इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि मिमी तय समय से करीब एक घंटा लेट आईं। तन्मय शास्त्री ने कहा, 'कार्यक्रम की इजाजत सिर्फ आधी रात तक की थी। इलाके में छात्रों की बोर्ड परीक्षाएं होने वाली हैं, इसलिए कार्यक्रम को समय पर रोकना पड़ा। हमने मिमी का अपमान नहीं किया और न ही उन्हें परेशान किया। उनके आरोप बिल्कुल गलत हैं।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मिमी के बॉडीगार्ड्स ने क्लब की महिला सदस्यों के साथ बदतमीजी की, जो रात 11:45 बजे उन्हें सम्मान देने स्टेज पर आई थीं। तन्मय शास्त्री ने आगे कहा, 'हमें पता है कि मिमी एक बड़ी स्टार हैं, लेकिन अगर हम रात 12 बजे के बाद कार्यक्रम चलाते तो पुलिस खुद आकर बंद करवा देती और हम पर केस करती। अगर मिमी को कोई गलतफहमी हुई है या उन्हें बुरा लगा है, तो हम इसके लिए माफी मांगते हैं।' पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। मिमी चक्रवर्ती एक भारतीय बंगाली अभिनेत्री, गायिका और पूर्व राजनीतिज्ञ हैं।

हॉलीवुड मसाला

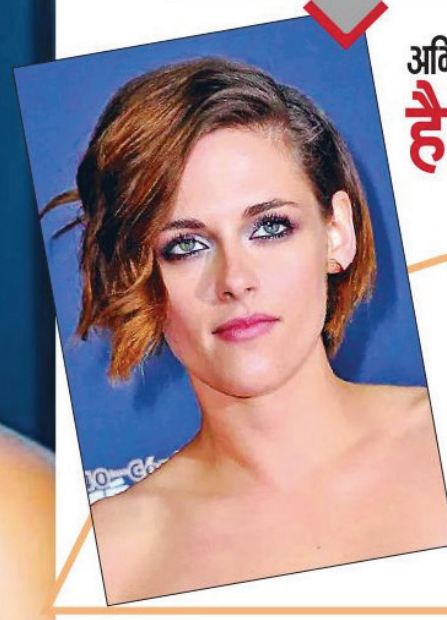

अभिनेत्रियों को समझा जाता है कठपुतली

लॉस एंजिल्स। बॉलीवुड में अक्सर ही अभिनेत्रियों के साथ होने वाले व्यवहार पर बहस होती है। इसको लेकर कई अभिनेत्रियों ने सवाल भी उठाए हैं। लेकिन, अब 'ट्विलाइट' फेम अभिनेत्री क्रिस्टन स्टीवर्ट ने हॉलीवुड में अभिनेत्रियों के साथ होने वाले व्यवहार पर बात की है। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के साथ कठपुतलियों जैसा व्यवहार किया जाता है। क्रिस्टन स्टीवर्ट ने कहा कि इंडस्ट्री में एक्ट्रेस के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया जाता है। मुझे आपको बताना ही होगा।

लोलापलूजा इंडिया में मिले प्यार पर जताया आभार...

मुंबई। लोलापलूजा इंडिया 2026 की परफॉर्मेंस के दौरान भारत के लोगों ने ब्रिटिश कलाकार यंगब्लड को काफी प्यार दिया है। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर भारत के लोगों का आभार जताया है। मुंबई में लोलापलूजा इंडिया 2026 की शानदार परफॉर्मेंस के बाद यंगब्लड ने अपने सभी भारतीय फैंस को धन्यवाद दिया है। ब्रिटिश कलाकार ने लोलापलूजा इंडिया के पहले दिन अपने परफॉर्मेंस से मुंबई की भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया। परफॉर्मेंस के कुछ घंटों बाद, यंगब्लड ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने मुंबई शो की कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। इसके साथ उन्होंने एक पोस्ट लिखी। इंस्टाग्राम पर यंगब्लड ने भारत के लोगों का आभार जताते हुए एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि वह अपने फैंस से मिल रहे हैं। फैंस उन्हें गले लगा रहे हैं।

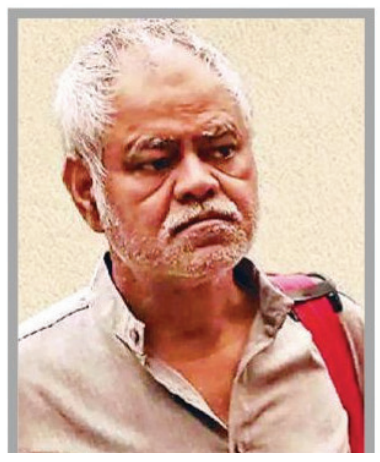

संजय-नीना फिर बने मिस्ट्री थ्रिलर का हिस्सा

मुंबई। नीना गुप्ता और संजय मिश्रा की फिल्म 'वध 2' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस बार फिल्म में थ्रिल डबल होने वाला है। एक बार फिर से नीना और संजय मिश्रा एक हत्या को लेकर जांच के दायरे में है। साल 2022 में फिल्म वध रिलीज हुई। छोटे बजट की इस फिल्म ने दर्शकों को चौंकाया, क्रिटिक्स ने भी फिल्म को सराहा है। फिल्म 'वध 2' के ट्रेलर में एक जेल गार्ड शंभूनाथ के रोल में संजय मिश्रा नजर आते हैं। वह जेल की एक कैदी मंजू सिंह (नीना गुप्ता) के करीब आते हैं। दोनों के बीच एक अलग तरह का रिश्ता बनता है। लेकिन इसी बीच जेल में कैदी गायब हो जाता है। वह कैदी कहां गया? उसके गायब होने से संजय मिश्रा और नीना गुप्ता के किरदारों का क्या कनेक्शन है, यही पूरी फिल्म की कहानी है। फिल्म 'वध 2' 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वेलकम टू... की रिलीज डेट का ऐलान...

मुंबई। बस पांच महीने का इंतजार और फिर सिनेमाघरों में होगा धमाल! जी हां, क्योंकि 'वेलकम टू द जंगल' की रिलीज डेट सामने आ गई है। कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' जून में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह मल्टीस्टारर फिल्म 26 जून को रिलीज होगी। 'वेलकम' फ्रेंचाईजी की यह तीसरी किस्त है और काफी मजेदार होने वाली है। इसमें अक्षय कुमार के अलावा कई और शानदार सितारे नजर आएंगे। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के निर्देशन की कमान अहमद खान ने संभाली है। इसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ सहित करीब 30 सितारे नजर आएंगे। रवीना टंडन, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, आफताब शिवदासानी, लारा दत्ता, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, और दलेर मेहंदी भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

टीवी मसाला

लाफ्टर शेफ 3 की विनर बनी कृष्णा और अली की टीम

नई दिल्ली। रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ 3' की विनिंग टीम सामने आ चुकी है। अली गोनी, कृष्णा अभिषेक, कश्मीरा शाह, समर्थ जुरेल, जन्नत जुबैर और अभिषेक कुमार की टीम 'कांटा' ने इस शो की ट्रॉफी अपने नाम की है। कलर्स चैनल के इंस्टाग्राम पेज पर विनर्स की घोषणा की गई है। कृष्णा अभिषेक की टीम 'कांटा' की टक्कर एल्विश यादव की टीम 'छोरी' से हुई। दोनों टीमों ने अच्छा परफॉर्म किया, बढ़िया खाना बनाया। लेकिन आखिर में विजेता कृष्णा अभिषेक की टीम बनी। इस शो में कॉमेडियन भारती सिंह बतौर होस्ट नजर आती हैं। 'लाफ्टर शेफ' के पहले के दो सीजन भी काफी पॉपुलर रहे हैं। इस शो की थीम दर्शकों को पसंद आती है। प्रतियोगी या कुछ टीम बनाकर टीवी सेलेब्स कुकिंग करते हैं। इस दौरान हंसी-मजाक का खूब तड़का लगता है। इस तरह यह शो काफी मनोरंजन से भरपूर होता है। यह शो इसी वजह से टीआरपी लिस्ट में भी जगह बनाने में कई बार कामयाब हुआ है।

'द 50' में मनीषा और रजत की हुई एंट्री

नई दिल्ली। जल्द ही टीवी पर एक नया रियलिटी शो 'द 50' आने वाला है। इस शो का हिस्सा सेलिब्रिटी कपल युविका चौधरी और प्रिंस नरुला बन रहे हैं। हाल ही में इंफ्लुएंसर मनीषा रानी और रजत दलाल की एंट्री भी इस शो में हुई है। दोनों ने अपना गेम प्लान बताया है। धीरे-धीरे 'द 50' रियलिटी शो के प्रतियोगियों के नाम सामने आ रहे हैं। हाल ही में एक प्रेस मीट के दौरान रजत दलाल और मनीषा रानी से शो के बारे में बात की। मनीषा रानी ने कहा, 'हम जहां खड़े हो जाते हैं, लाइन वहीं से शुरू होती है।'वह इस रियलिटी शो को लेकर काफी एक्साइटेड दिख रही हैं। वहीं रजत दलाल ने भी कहा कि वह शो में फरमाइश नहीं करने जा रहे हैं, वह गेम खेलने जा रहे हैं। इस तरह यह दोनों ही प्रतियोगी 'द 50' रियलिटी शो को खेलने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। रजत दलाल और मनीषा रानी के अलावा फिल्म एक्ट्रेस युविका चौधरी भी 'द 50' की प्रेस मीट में नजर आईं। वह कई साल बाद किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन रही हैं।

'आशिकों की कॉलोनी' में थिरकते नजर आए शाहिद, दिशा ने लगाई आग

मुंबई। शाहिद कपूर की अपकमिंग फिल्म ओ रोमियो इन दिनों चर्चा में है। मंगलवार को इस फिल्म का नया गाना 'आशिकों की कॉलोनी' रिलीज हुआ। इस गाने में शाहिद कपूर और दिशा पाटनी का अंदाज पर फैंस फिदा हो गए। विशाल भारद्वाज की अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। इस फिल्म का ट्रेलर जब से रिलीज हुआ है, तब से सोशल मीडिया पर 'ओ रोमियो' चर्चा का विषय है। अब इस फिल्म का नया गाना भी ट्रेंड कर रहा है। 'आशिकों की कॉलोनी...' गाने में दिशा पाटनी ने आइटम डांस किया है। साथ ही शाहिद कपूर भी अपनी डांसिंग स्किल दिखाते नजर आ रहे हैं। 'आशिकों की कॉलोनी...' गाने में दिशा पाटनी के साथ शाहिद कपूर गजब का डांस कर रहे हैं। गाने में एक जगह वह माइकल जैक्सन की पॉपुलर डांस स्टेप 'मून वॉक' को करते नजर आए। डांस करते हुए शाहिद कपूर की एनर्जी देखने लायक है। इस गाने के संगीतकार विशाल भारद्वाज हैं। गीतकार गुलजार ने इस गाने को लिखा है। गाने में मधुबंती बागची और जावेद अली की आवाज है। 'आशिकों की कॉलोनी...' गाने के म्यूजिक अरेंजर और प्रोड्यूसर मेघदीप बोस हैं। 'ओ रोमियो'का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा नाना पाटेकर, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, अविनाश तिवारी और फरीदा जलाल जैसे एक्टर्स अहम किरदारों में नजर आएंगे।

बैटल ऑफ गलवान के सेट पर लौटे सलमान

सलमान खान की अपकमिंग वॉर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का टीजर पिछले साल उनके जन्मदिन, 27 दिसंबर को जारी किया गया था। इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी अनाउंसमेंट किया गया। दिसंबर में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। खबरों के मुताबिक सलमान अब एक एक्स्ट्रा शूटिंग के लिए सेट पर लौट आए हैं।

मुंबई। सलमान खान, निर्देशक अपूर्व लखिया और पूरी टीम फिल्म के लिए अब पैचवर्क के काम में जुट रहे हैं। इसके अलावा वे कुछ नए सीन भी जोड़ रहे हैं, जिनमें से कुछ में एक्शन सीन भी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये 15 दिनों का शेड्यूल है और पैचवर्क पहले से ही तय था। खबर है कि एडिशनल शूटिंग इसलिए हुई, क्योंकि फिल्म के मेकर्स और सलमान को लगा कि ये सीन कहानी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इनसे फिल्म का प्रभाव बढ़ेगा। सलमान कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि 'बैटल ऑफ गलवान' दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव साबित हो। इसी के चलते उन्होंने एडिशनल शूटिंग के लिए सहमति दी।

फिल्ममेकर्स को पूरा भरोसा है कि फिल्म 17 अप्रैल को तय रिलीज डेट से काफी पहले तैयार हो जाएगी। वहीं, फिल्म का पहला गाना 'मातृभूमि' हाल ही में 24 जनवरी को रिलीज हुआ था। इस फिल्म में लीड रोल में सलमान खान और चित्रांगदा सिंह लीड रोल में हैं। फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू की कहानी है और इस भूमिका को पर्दे पर जीते दिखेंगे सलमान खान। 15 जून, 2020 के तनावपूर्ण बैकग्राउंड पर बेस्ड ये फिल्म 'कोविड-19' महामारी के दौरान गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए वीर संघर्ष की कहानी बयां करती है।

आलीशान बंगला, लग्जरी गाड़ियां सब बिक गईं

भारत भूषण को जुनून ने बनाया राजा से रंक!

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री चमक-दमक की दुनिया है। इसने किसी को रंक से राजा बनाया तो कभी राजा बनाकर सबकुछ छीन भी लिया। एक ऐसे ही एक्टर थे भारत भूषण। जो अपने पिता की मर्जी के खिलाफ एक्टर बने। 10 साल के संघर्ष के बाद स्टारडम मिला। जब पैसा, शोहरत सब मिल गया तो एक फैसले ने उन्हें वापस फर्श पर लाकर पटक दिया। आप शायद ही जानते होंगे कि 'आशीर्वाद' बंगला इन्हीं का था, जिसे राजेंद्र कुमार और राजेश खन्ना दोनों ने खरीदा था। और ये बंगाल शापित माना जाता है। कहते हैं कि जैसे ही ये तीनों स्टार्स इस घर में आए, इनका बुरा समय शुरू हो गया। भारत भूषणगुप्ता। जिन्हें भारत भूषण के नाम से जाना गया। 14 जून 1920 में मेरठ, उत्तर प्रदेश में उनका जन्म हुआ, लेकिन परवरिश अलीगढ़ में हुई। उनके पिता रायबहादुर मोतीलाल मेरठ के सरकारी वकील और इलाहाबाद में सुप्रीम कोर्ट के जज थे। भारत का एक बड़ा भाई भी था। जब वो दो साल के थे, तब मां का निधन हो गया। इसके बाद वो अपने नाना के पास अलीगढ़ चले गए थे। वहीं पर ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई की।

एक्टिंग के खिलाफ थे भारत के पिता

भारत के बड़े भाई फिल्म प्रोड्यूसर और हाई कोर्ट जज रमेश चंद्र गुप्ता थे, जिनका लखनऊ में आइडियल स्टूडियो था। पढ़ाई के बाद उन्होंने पिता की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग शुरू की। सिनेमा में काम करने के लिए पहले वो कोलकाता गए। बाद में मुंबई का रुख किया।

डेब्यू मूवी

भारत भूषण ने 1941 में सुपरहिट फिल्म 'चित्रलेखा' में छोटा सा किरदार निभाकर अपने कॅरियर की शुरुआत की थी। पर केदार शर्मा की सुपरहिट फिल्म में काम करने के बावजूद उनका कॅरियर आगे नहीं बढ़ पाया। वो उनकी एक और फिल्म 'सुहाग रात' में भी नजर आए थे। पर उनकी बाकी फिल्में कमर्शियली अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाईं।

11 साल बाद मिला स्टारडम

साल 1952। विजय भट्ट की 'बैजू बावरा' में वो लीड रोल में नजर आए। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही और भारत भूषण मरोसेमंद स्टार बन गए। इसी साल 'मां' और 'आनंद मठ' जैसी सफल फिल्मों में उनके स्टारडम को मजबूत कर दिया। 1953 में 'लड़की' के साथ एक और ब्लॉकबस्टर दी। ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फइल्म थी, जिसमें वैजयंतीमाला, किशोर कुमार और अंजलि देवी थीं।

10 साल में 35 फिल्में

1941 में चित्रलेखा फिल्म से शुरुआत की। 1942 से 1950 तक भक्त कबीर, भाईचारा, सुहाग रात, उधार, भाई बहन जैसी फिल्मों में नजर आए। 1951 से 1960 तक, 10 साल में 35 फिल्में कीं, जिनमें बैजू बावरा, मां, आनंद मठ, लड़की, कवि, मिर्जा गालिब, अमानत, कल हमारा है, घूंघट, बरसात की रात जैसी फिल्में शामिल हैं।

प्रोड्यूसर भी बने

1961 में कोई फिल्म नहीं रिलीज हुई। 1962 से 1980 तक 19 फिल्मों में नजर आए। अब तक वो स्क्रिप्ट भी लिखने लगे थे और प्रोड्यूसर भी बन गए थे। 1991 में 'सौ करोड़' में उन्होंने पिता का रोल निभाया था, वो भी कैमियो में। उनकी मौत के बाद 1992 और 1993 में हमशक्ल और आखिरी चेतावनी रिलीज हुई थी।

बेचना पड़ा आशीर्वाद बंगला

भारत भूषण का बॉम्बे के बांद्रा इलाके में एक बंगला था। इसका नाम 'आशीर्वाद बंगला' था। कहते हैं कि भाई के कहने पर भारत भूषण ने जब प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रखा तो उन्हें बहुत नुकसान हुआ। उनकी सिर्फ दो फिल्में सफल रहीं, बाकी फ्लॉप हो गईं। उन्हें अपना बंगला बेचना पड़ा। इसे उन्होंने राजेंद्र कुमार को बेचा। बाद में राजेंद्र कुमार ने राजेश खन्ना को बेचा था। इस तरह से ये बंगला 3 फेमस फिल्म स्टार्स का घर रहा।

रामायण में बने तुलसीदास

भारत भूषण को रामानंद सागर की 'रामायण' में भी देखा गया था। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास का किरदार निभाया था।

मेरठ में हुई थी शादी

पर्सनल लाइफ की बात करें तो उन्होंने मेरठ के जाने-माने परिवार और जमींदार की बेटी सरला से शादी की थी। उनकी दो बेटियां थीं- अनुराधा और अपराजिता। अनुराधा को पोलियो से जुड़ी दिक्कतें थीं। भारत की पत्नी सरला की 1960 में दूसरे बच्चे को जन्म देते वक्त लेबर कॉम्प्लिकेशन के कारण मौत हो गई।

दूसरी शादी

इसके बाद 1967 में भारत भूषण ने दूसरी शादी की। उन्होंने एक्ट्रेस रत्ना से ब्याह रचाया, जो 'बरसात' में उनकी को-स्टार थीं। भारत की बेटी अपराजिता ने भी फिल्मों में काम किया। पति की अचानक मौत के बाद उन्होंने एक्टिंग में कदम रखा था। वो रामायण में मंदोदरी बनी थीं।

सरगुजा ओलंपिक की विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिताएं 3 से 6 तक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में सरगुजा ओलंपिक का आयोजन जिले के समस्त विकासखण्डों में किया जाएगा। विकासखण्ड स्तरीय आयोजन 3 से 06 फरवरी तक होगा। इसमें 10 से अधिक खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर ओलंपिक की तर्ज पर आयोजित होने वाले सरगुजा ओलंपिक के प्रतीक चिन्ह एवं शुभंकर गजरु का अनावरण भी किया। उन्होंने सरगुजाअंचल के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब बस्तर की तरह सरगुजा की खेल प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का सशक्त मंच मिलेगा। संभाग अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है, जहां खेल के क्षेत्र में अपार नैसर्गिक प्रतिभा विद्यमान है। शासन द्वारा इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना, उनकी खेल एवं रचनात्मक प्रतिभाओं को पहचानना तथा उन्हें भविष्य के उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में तैयार करना है। जिले के विकासखण्ड स्तर पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में तीरंदाजी, कबड्डी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती, खो-खो, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल तथा एथलेटिक्स शामिल हैं। एथलेटिक्स में 100, 200 एवं 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवेलिन थ्रो एवं 4म100 मीटर रिले दौड़ की स्पर्धाएं होंगी। इसके अतिरिक्त कराटे में जूनियर बालक, बालिका14 से 15 वर्ष 42 से 47 कि.ग्रा, 16 से 17 वर्ष 55 एवं 61 कि.ग्रा सीनियर पुरुष 60 से 67 कि.ग्रा तथा सीनियर महिला 55 से 61 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। रस्साकसी प्रदर्शनात्मक खेल केवल महिला वर्ग के लिए होगा, जिसमें जूनियर एवं सीनियर वर्ग के लिए विभिन्न वेटग्रुप निर्धारित किए गए हैं।

अवैध धान भंडारण व परिवहन पर प्रशासन की टीम ने जप्त किया 820 बोरी धान व 3 वाहन

0 109 क्विंटल धान का रकबा कराया गया समर्पण 0 एसडीएम प्रतापपुर के नेतृत्व में संयुक्त टीम की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रशासन की टीम अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर रही है। बुधवार को प्रतापपुर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों व समितियों में की गई कार्रवाई के दौरान 820 बोरी अवैध धान जप्त किया गया है। बताया गया है कि एसडीएम प्रतापपुर के नेतृत्व में तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खाद्य एवं राजस्व निरीक्षक और हल्का पटवारी की संयुक्त टीम द्वारा अनुभाग अंतर्गत कदमपारा में कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम ने शिवधर ओझा के घर के पास खड़े वाहन स्वराज माजदा क्र सीजी 15 ष्ठङ्ग 6949 की जांच की, जिसमें 290 जूट बोरियों में लगभग 116 क्विंटल धान लोड पाया गया। जांच के दौरान धान का भंडारण एवं परिवहन अवैध पाया गया, जिसे मंडी में विक्रय के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। धान से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। वैध दस्तावेजों के अभाव में धान सहित वाहन को जब्त किया गया है। इसी प्रकार देर रात्रि 1 बजे प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा पलमा की ओर अवैध रूप से धान का परिवहन करते हुए दो पिकअप वाहनों को पकड़ा गया। जांच के दौरान दोनों पिकअप वाहनों में क्रमश: 60 एवं 70 बोरियों, कुल 130 बोरियों में लगभग 52 क्विंटल धान लोड पाया गया। धान को जब्त कर आगे की कार्रवाई हेतु चौकी चेंद्रा को सुपुर्द किया गया। तीसरे मामले में ग्राम ढ़ोंढ़ा में जांच कार्रवाई की गई। जांच के दौरान बसंत पिता रामप्रसाद के नाम पर तीसरे टोकन के अंतर्गत खरीदी कर भंडारित किए गए 350 बोरियों में कुल 145.60 क्विंटल धान को अवैध एवं अमानक पाया गया। मौके पर आवश्यक मानकों एवं नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर उक्त धान को जब्त किया गया।

प्रकरण में खरीदी प्रभारी को पंचनामा प्रेषित करते हुए संबंधित टोकन निरस्त किया गया तथा नियमानुसार रकबा समर्पण हेतु निर्देशित किया गया है।चौथा मामला रेवटी का है। बताया गया है कि रेवटी के अनुपम पटेल का धान लाल बहादुर पटेल के ट्रैक्टर के माध्यम से रात्रि लगभग 8 बजे समिति परिसर में लाया गया। जांच के दौरान धान को अवैध रूप से खपाए जाने का प्रयास पाया गया, जिसके चलते नियमानुसार 50 बोरियों में भरे धान को जब्त किया गया। अगली कार्रवाई उप तहसील डांडकरवा के ग्राम बटई में की गई है। जहां धान खरीदी से संबंधित टोकनों का सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान सोनसाय पिता तपेश्वरी के नाम जारी 440 क्विंटल के टोकन में 59 क्विंटल धान कम पाया गया। टोकन के अनुसार धान की उपलब्धता नहीं होने पर नियमानुसार 59 क्विंटल धान के बराबर रकबे का समर्पण कराया गया। इसी क्रम में सुमंत पटेल के नाम जारी 150 क्विंटल के टोकन का भी सत्यापन किया गया, जिसमें मात्र 100 क्विंटल धान उपलब्ध पाया गया। शेष 50 क्विंटल धान के बराबर रकबे का समर्पण नियमानुसार कराया गया। वहीं राजस्व अधिकारियों द्वारा जयनगर धान समिति केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान धान खरीदी की प्रगति एवं किसानों को दिए जा रहे लाभ की स्थिति की समीक्षा की गई। धान समिति केंद्र में कुल 648 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 597 किसान धान उपार्जन के लाभ से लाभान्वित हो चुके हैं। इनमें से 572 किसानों द्वारा कुल 51.58 हेक्टेयर रकबा समर्पित किया गया है। 29 जनवरी की स्थिति तक 22 किसानों के टोकन काटे गए हैं। निरीक्षण के दौरान हल्का पटवारी द्वारा भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें दो किसानों का 2.29 हेक्टेयर रकबा सत्यापित कर 119 क्विंटल धान का रकबा समर्पण कराया गया।

टीचर्स एसोसिएशन ने पेंशन की मांग को लेकर सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने प्रदेश में एलबी संवर्ग के पूर्व सेवा की गणना कर पेंशन निर्धारण की मांग को लेकर अभियान छेड़ दिया है । प्रांताध्यक्ष संजय शर्मा, प्रांतीय महामंत्री रंजय सिंह, प्रांतीय प्रचार सचिव अजय सिंह के निर्देशन में ज्ञापन सौंप अपनी मांग रखने की योजना है ।

सर्व प्रथम सभी 146 विकास में फिर जिला स्तर पर ज्ञापन सौंपने की योजना है इसके पश्चात सभी जनप्रतिनिधियों से मिलकर अपनी बात रखकर ज्ञापन सौंप कर मांग को पूर्ण कराने सहयोग करने की बात रखेंगे। सूरजपुर के सभी विकास खण्ड में ब्लाक अध्यक्ष एवं पदाधिकारी उपस्थित होकर ज्ञापन सौंप पेंशन में पूर्व सेवा गणना की मांग की है। रामानुजनगर में अध्यक्ष पीताम्बर सिंह मरावी, प्रतापपुर में नागेन्द्र सिंह, ओड़गी में बिनोद केराम, भैयाथान में जितेंद्र सिंह, सूरजपुर में चंद्रदेव चक्रधारी, प्रेमनगर में रामबरन सिंह के नेतृत्व में जिला एवं ब्लाक पदाधिकारियो ने सदस्यों के साथ ज्ञापन सौंप मांग रखा है। टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष भूपेश सिंह ने बताया कि संविलीयन से पूर्व की सेवा गणना नहीं करने के कारण एलबी संवर्ग के शिक्षक खाली हाथ सेवानिवृत्त हो रहे है जिससे जीवकोपार्जन में समस्या हो रही है। पूरी उम्र शिक्षा विभाग के दुरस्त विद्यालय में उपस्थित होकर अपनी सेवा देने के बाद खाली हाथ सेवानिवृत्त होना अत्यंत दु:खद है शासन प्रशासन को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। टीचर्स एसोसिएशन के ब्लाक एवं जिला के पदाधिकारी शुक्रवार को जिला मुख्यालय में उपस्थित होकर अपनी पूर्व सेवा गणना की मांग का ज्ञापन जिला के वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे।

संगठन की मजबूती हेतु संयुक्त शिक्षक संघ की बाँक में हुई बैठक

शिक्षक हितों के संवर्धन हेतु कराया गया शपथ ग्रहण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ओड़गी विकासखंड स्थित पर्यटन स्थल बाँक में संयुक्त शिक्षक संघ की जिलास्तरीय जम्बो बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले भर से बड़ी संख्या में पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान नवनियुक्त जिला एवं ब्लॉक कार्यकारिणी के सदस्य शामिल हुए।कार्यक्रम का नेतृत्व संघ के जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी ने किया। बैठक में शिक्षक हितों के संवर्धन हेतु शपथ ग्रहण कराया गया तथा नए शैक्षणिक सत्र में व्यापक कार्ययोजना को धरातल पर उतारने की रणनीति तैयार की गई। ब्लॉक अध्यक्ष मो. महमूद और प्रमोद पाठक ने संयुक्त रूप से बताया कि बैठक प्रांतीय उपाध्यक्ष माया सिंह, प्रांतीय महासचिव शहादत अली तथा प्रांतीय संगठन मंत्री राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। इसमें संगठन को मजबूत करने, नियमित बैठकआयोजित करने तथा शिक्षकों की समस्याओं को लेकर सर्वसम्मति से आगामी रणनीति तय की गई। बैठक में प्रमुख रूप से सहायक शिक्षकों और शिक्षकों की पदोन्नति, प्राथमिक शालाओं में प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति में हो रही देरी, प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा गणना, पंचायत अवधि के लंबित एरियर्स भुगतान तथा एनपीएस राशि के पूर्ण निर्धारण जैसे मुद्दों पर कार्ययोजना बनाई गई।जिलाध्यक्ष सचिन त्रिपाठी ने कहा कि संगठन को मजबूत करने और पदाधिकारियों व सदस्यों में ऊर्जा का संचार करने के उद्देश्य से इस प्रकार का आयोजन किया गया।

ब्लॉक महासचिव ऋषि कुमार पांडेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से संगठन में नई ऊर्जा आती है। वहीं ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने अगली बैठक प्रतापपुर में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। फेडरेशन के महासचिव इकबाल अंसारी और राजू यादव ने एकजुट रहकर साथियों के हितों की रक्षा करने का संदेश दिया। प्रांतीय पदाधिकारियों माया सिंह, शहादत अली, राकेश शुक्ला, भूपत सिंह और प्रतिमा सिंह ने भी संगठन व शिक्षक हित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन गिरवर यादव ने तथा आभार प्रदर्शन मनोहर गुप्ता ने किया।

बैठक में कुलदीप सिंह, राधेश्याम साहू, श्रीमती नुशा, श्रीमती हीरामणि, भुवनेश्वर सिंह, बृजेश भनी, मनोज कुशवाहा, सतीश साहू, प्रदीप सिंह, धर्मपाल सिंह, प्रदीप त्रिपाठी, भास्कर सिंह, दिल मोहम्मद अंसारी, मो. शमीम, मोतीलाल, विवेक, टहल राम, श्रीमती इंदुमती सोनवानी, श्रीमती जीवन्ती एक्का, श्रीमती ललमेन टोप्पो, प्रतिभा गुप्ता, रामकुमारी सिदार, अनुपमा त्रिपाठी, सोमा घोष, कल्पना बारी, आरती श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सामान्य सभा की बैठक आज

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 30 जनवरी 2026 को दोपहर 12:00 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग व स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभागीय योजना की समीक्षा, धान खरीदी, वन अधिकार पट्टा वितरण, जल-जीवन मिशन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों के याद में प्रतिवर्ष की भांति 30 जनवरी को मौन धारण किया जाना है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा ने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को संयुक्त जिला कार्यालय प्रांगण में सुबह 11:00 बजे उपस्थित होने के निर्देश दिए है।

महान नदी पर पुल निर्माण कार्य ठप्प, आंदोलन की राह पर पंडो आदिवासी समाज

0 गंगोत्री में 12वें दिन भी जारी रहा अनिश्चितकालीन धरना 0 ग्रामीण बोले- विकास रोका तो संघर्ष होगा तेज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। सूरजपुर जिले के विकासखंड ओडगी अंतर्गत ग्राम सौहार से ग्राम गंगोत्री के बीच महान नदी पर प्रस्तावित सेतु निर्माण कार्य रुकने के विरोध में पंडो आदिवासी समाज एवं स्थानीय ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन गुरुवार को 12वें दिन भी जारी रहा। 18 जनवरी से शुरू हुआ यह आंदोलन अब क्षेत्र का बड़ा जनमुद्दा बनता जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक शासन प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। धरना स्थल ग्राम गंगोत्री में रोज बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा जुट रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह पुल केवल एक निर्माण कार्य नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए जीवनरेखा है। महान नदी पर पुल नहीं होने से बरसात के दिनों में गांवों का संपर्क कट जाता है, जिससे

बच्चों की पढ़ाई, गर्भवती महिलाओं और मरीजों को अस्पताल तक पहुंच, तथा किसानों की उपज के बाजार तक परिवहन में गंभीर दिक्कतें आती हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह इलाका विशेष रूप से पंडो जनजाति बहुल है, जिसे देश के अत्यंत संवेदनशील आदिवासी समुदायों में गिना जाता है। इसके बावजूद यहां बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। उनका कहना है कि सेतु निर्माण कार्य रुकना सीधे तौर पर आदिवासी समाज के विकास को रोकने जैसा है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित विभागों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन आश्वासन के अलावा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

धरने में शामिल ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द निर्माण कार्य पुन: शुरू नहीं कराया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कुछ ग्रामीणों ने कहा कि यह केवल पुल का सवाल नहीं, बल्कि सम्मान और अस्तित्व का मुद्दा है। धरनास्थल पर बैठे बुजुर्गों का कहना है कि वर्षों से वे इस पुल की मांग करते आए हैं, लेकिन हर बार सर्वे और कागजी प्रक्रिया के बाद मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। युवा वर्ग ने भी साफ कहा है कि वे अब पीछे हटने वाले नहीं हैं। फिलहाल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

ऐसे में पूरे क्षेत्र की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि शासन कब संज्ञान लेकर निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराने की दिशा में कदम उठाता है। तब तक गंगोत्री का यह धरना आंदोलन जारी रहने वाला है।

संगठन की मजबूती हेतु कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण : टी.एस

पूर्व उप मुख्यमंत्री का रामानुजनगर में कार्यकर्ताओं ने किया आत्मीय स्वागत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं सरगुजा महाराजा टी एस सिंह देव का जिले के रामानुजनगर में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े के गृह निवास पर आगमन हुआ, जिसमें जिले भर से कांग्रेस के सभी संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सम्मान भोज कार्यक्रम के तहत कांग्रेस के समस्त संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। सरगुजा महाराजा के साथ पूर्व सांसद खेलसाय सिंह, पूर्व मंत्री प्रेमसाय सिंह, पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री सिंहदेव ने कहा कि संगठन की मजबूती एवं संचालन हेतु कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है। आने वाले समय में जनता तक पहुंच कर उनकी समस्याओं और उनकी मांगों के अनुरूप काम करके हल निकालने की जरूरत है। बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सक्रिय रूप से काम करने के लिए कार्यकर्ता तैयार है और आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार बनना तय है इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी शिवभजन, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सुभाष गोयल, रमेश दनोदिया, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, अखिलेश प्रताप सिंह, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेन्द्र यादव, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, प्रदीप साहू, शमशेर खान, योगेश्वरी राजवाड़े सहित कांग्रेस के सभी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कांकेर
Phone : 07868-241213, Email ID: ee-res.kanker@gov.in

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

क्रमांक–27 / व.ले.लि. / ग्रा.यां.से. / 2025–26 कांकेर, दिनांक 27.01.2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 12.02.2026 शाम 5.00 बजे तक पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्टसे (आमंत्रण क्रम प्रथम बार) आमंत्रित की जाती है तथा निविदा दिनांक 13.02.2026 को 11.30 बजे पूर्वान्ह खोली जावेगी।

क्र	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
01	अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य राजा तालाब के पास शीतला मंदिर कांकेर विकासखंड कांकेर।	25.42

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी दिनांक 28.10.2022 से विभगीय वेबसाईट https://res.cg.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग-कांकेर

जी-252606320/1

कार्यालय, कलेक्टर (आबकारी), जिला-सरगुजा (छत्तीसगढ़)
निविदा सूचना

क्रमांक / आब. / ठेका / 2026 / 203 अम्बिकापुर, दिनांक 27.01.2020

सर्वसाधारण की विशेष जानकारी के लिये यह सूचना प्रकाशित की जाती है, कि सरगुजा जिले में नवीन कम्पोजिट विदेशी मदिरा दुकान लुण्ड्रा जनपद पंचायत लुण्ड्रा का संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2025–26 की शेष अवधि के लिए दुकान / भवन सह परिसर भाड़े में लेने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। अतः इच्छुक निविदाकारों से सील. बंद लिफाफे में निम्न विवरण अनुसार निविदा प्रपत्र यथा दुकान का नाम, अवस्थिति एवं निविदा की शर्तें व अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालय, जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, सी.एस.एम.सी.एल., सरगुजा (छ.ग.) के कार्यालय से अवकाश के दिनों को छोड़कर शेष दिवसों में प्राप्त की जा सकती है।

1. निविदा फार्म की कीमत – 5000 / – (डी.डी. / चेक जो जिला प्रबंधक सी. एस.एम.सी.एल.सरगुजा के नाम से देय हो)
2. निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि – 11.02.2026 तक (कार्यालयीन समय में)
3. निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि – 12.02.2026 दोपहर 12:00 बजे तक
4. तकनीकी निविदा खोलने की तिथि – 12.02.2026 दोपहर 03.00 बजे
5. तकनीकी निविदा के भौतिक स्थल परीक्षण हेतु समयावधि दिनांक – 13.02.2026
6. तकनीकी निविदा में सफल आवेदकों के चयन की तिथि – 16.02.2026 शाम 03:00 बजे
7. वित्तीय निविदा खोलने की तिथि – 17.02.2026 शाम 04:00 बजे

कलेक्टर
सरगुजा (छ.ग)

जी-252606316/1

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
रा०प्र०क्र० / अ–2 / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनिषा अग्रवाल पत्नी निशांत अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी कुनकुरीकला तहसील बतौली जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 4559 / 12 रकबा 0.025 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी–1, खसरा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05 / 02 / 2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू–अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29 / 01 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
रा०प्र०क्र० / अ–2 / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाष गुप्ता आ० राम कुमार गुप्ता जाति केशरवानी निवासी तकिया रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 4995 रकबा 0.239 हे0 में से 0.048 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी–1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05 / 02 / 2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू–अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29 / 01 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा0) अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.)
रा०प्र०क्र० / अ–2 / 2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक सोनी पिता अंतु सोनी जाति सुनार निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 15 / 30 रकबा 0.010 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी–1, खसरा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 05 / 02 / 2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू–अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29 / 01 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सरगुजा पूरे मनोयोग और उमंग के साथ ओलंपिक आयोजन के लिए तैयार-मुख्यमंत्री

सरगुजा ओलंपिक के लोगो और शुभंकर 'गजरु' का अनावरण, बस्तर ओलंपिक की तर्ज पर होगा आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरूवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित एक समारोह में बस्तर ओलम्पिक की तर्ज पर आयोजित होने वाले सरगुजा ओलंपिक के प्रतीक चिन्ह एवं शुभंकर 'गजरु' का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने सरगुजा अंचल के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब बस्तर की भांति सरगुजा की खेल प्रतिभाओं को भी अपनी क्षमता दिखाने का सशक्त मंच मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने 12 खेल विधाओं में लगभग 3 लाख 50 हजार खिलाड़ियों के पंजीयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह संख्या सरगुजा अंचल के युवाओं के उत्साह, ऊर्जा और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलम्पिक में जनभागीदारी ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर खास पहचान दिलाई है, अब वही उत्साह सरगुजा

ओलंपिक को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। पंजीयन से यह स्पष्ट है कि सरगुजा पूरे मनोयोग और उमंग के साथ इस आयोजन के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने आयोजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी लेते हुए सफल आयोजन की अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने सरगुजा ओलंपिक के शुभंकर और लोगो के अनावरण कार्यक्रम में कहा कि इस आयोजन से सरगुजा के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा और कौशल दिखाने का अच्छा मंच मिलेगा। इसके विजेता खिलाड़ियों को राज्य की प्रशिक्षण अकादमियों में सीधे प्रवेश दिया जाएगा। उन्हें यूथ आइकॉन घोषित कर युवाओं व बच्चों को खेलों से जुड़ने और खेलने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि सरगुजा ओलंपिक 2026 का लोगो इस अंचल की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और खेल भावना का जीवंत प्रतीक है। लोगो के केंद्र में मैनपाट स्थित प्रसिद्ध टाइगर पॉइंट जलप्रपात को दर्शाया गया है, जो हरियाली, ऊर्जा और निरंतर प्रवाह का प्रतीक है। मध्य भाग में अंकित 'सरगुजा ओलंपिक 2026' आयोजन की स्पष्ट पहचान के साथ स्थानीय गौरव और अस्मिता को अभिव्यक्त करता है। चारों ओर 12 खेलों के प्रतीक चिन्ह समावेशिता और समान अवसर का संदेश देते हैं। रंगों का संयोजन आयोजन की जीवंतता, उत्साह और एकता को प्रकट करता है। लाल रंग का विशेष सांस्कृतिक महत्व पहाड़ी कोरवा जनजाति की परंपराओं से भी जुड़ा है, जहां यह शक्ति, साहस और जीवन-ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। यह रंग सकारात्मकता और संरक्षण का भाव लिए हुए दैवीय शक्ति और मानव जीवन के गहरे संबंध को दर्शाता है। इसी प्रकार सरगुजा ओलम्पिक 2026 का शुभंकर गजरु को रखा गया है, जो सरगुजा अंचल की प्राकृतिक व सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। आदिवासी समाज में हाथी को बल, धैर्य, बुद्धिमत्ता और एकता का प्रतीक माना जाता है। इसकी विशेषताएँकृशक्ति, अनुशासन, संतुलन और निरंतर प्रयासकृखेल भावना से जुड़ी हैं तथा झुंड में चलने की प्रवृत्ति टीम वर्क और सामूहिक सहभागिता का संदेश देती है।

विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर होगा आयोजन

सरगुजा ओलंपिक के लिए 28 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक पंजीयन किया गया है, जिसमें 06 जिलों से लगभग 03 लाख 50 हजार लोगों ने पंजीयन कराया है। इसमें 1 लाख 59 हजार पुरुष और 01 लाख 89 हजार महिलाओं ने आयोजन में अपना पंजीयन कराया है। कबड्डी, खो-खो, तीरंदाजी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, रस्साकसी समेत 12 विधाओं में विकासखंड, जिला तथा संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। समारोह में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, सचिव खेल यशवंत कुमार, संचालक खेल तनुजा सलाम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने वाली सेवानिवृत डिप्टी कलेक्टर गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धर्मान्तरण के मामले में दर्ज रिपोर्ट पर गांधीनगर थाना पुलिस ने सेवानिवृत डिप्टी कलेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रोशन तिवारी निवासी मठपारा ने थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 25 जनवरी को ओमेगा टोप्पो के द्वारा अपने घर में अत्यधिक लोगों को इकट्ठा करके हिन्दू धर्म के विषय में आपत्तिजनक टीका-टिप्पणी करके ईसाई धर्म में शामिल

होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था, मामले में थाना गांधीनगर में धारा 270, 299 बी.एन.एस. एवं छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्रय अधिनियम की धारा 5(क) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने जांच, विवेचना में ओमेगा टोप्पो पिता स्व. सामुएल टोप्पो 66 वर्ष निवासी नमनाकला के द्वारा धर्मांतरण के लिए प्रेरित करना पाया। गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक दिलीप दुबे, सहायक उप निरीक्षक सुभाष ठाकुर, महिला प्रधान आरक्षक मंजू भगत, महिला आरक्षक प्रिया रानी, आरक्षक अतुल शर्मा, कुंदन पांडेय सक्रिय रहे।

विधायक के कथित फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले में सुनवाई के बाद तिथि बढ़ी

दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने जमकर किया बहस, अगली तिथि 19 फरवरी निर्धारित

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले की सुनवाई की तिथि 29 जनवरी, गुरूवार को सुनिश्चित की गई थी। प्रकरण में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने काफी देर तक जोरदार तर्क-वितर्क प्रस्तुत किया। बहस के बाद मामले में अगली सुनवाई की तिथि 19 फरवरी निर्धारित की गई है। सुनवाई को लेकर किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बलरामपुर संयुक्त जिला कार्यालय परिसर को पूरी तरह बैरिकेड के घेरे में रखा गया था और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती रही, जिससे पूरे परिसर में सतर्कता का माहौल बना रहा। लगातार तारीख पर तारीख बढ़ने से समाज के लोगों में नाराजगी और आक्रोश भी साफ तौर पर देखने को मिल रहा था। अब इस बहुचर्चित मामले में सभी की निगाहें 19 फरवरी को होने वाली अगली सुनवाई पर

टिकी हुई है, इसके बाद प्रकरण की दिशा तय होने की उम्मीद जताई जा रही है।

समिति 30 दिन के अंदर निर्णय ले

समाज की ओर से अधिवक्ता जेपी श्रीवास्तव ने कहा कि समिति ने दोनों पक्षों का सुना है, हमारा निर्णय है कि समिति जो भी निर्णय करना चाहती है, नियम के अनुसार 30 दिन के अंदर करे। हमने इस मामले में जो पुख्ता प्रमाण दिया है उससे यह स्पष्ट हो गया है कि जाति माता और पिता के नाम से आता है, न कि पति के नाम से। मामले में प्रथम दृष्टया में ही प्रमाणपत्र गलत है

बीएड के प्रशिक्षणार्थियों ने उल्लास शिक्षा केंद्रों का किया अवलोकन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के द्वितीय दिवस ग्राम पंचायत जमीरा में एनसीईआरटी दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर अंबिकापुर के चयनित प्रशिक्षणार्थियों ने उल्लास शिक्षा केन्द्रों का अवलोकन किया। नवसाक्षरों, स्वयं सेवी शिक्षकों और ग्राम प्रभारी का इंटरव्यू लिया। कार्यक्रम के लिए रानी सोनी, निहारिका भगत, धीरेन्द्र यादव एवं शिवरतन का चयन किया गया था। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम भारत सरकार की योजना है, जिसका लक्ष्य 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षर वयस्कों को आधारभूत साक्षरता, संख्यात्मकता और जीवन कौशल प्रदान करना है। कार्यक्रम अंतर्गत बी.एड. के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में साक्षरता सर्वे किया गया। प्रशिक्षणार्थियों ने लोगों से संवाद करके उनकी शैक्षिक स्थिति, आयु, रुचि एवं साक्षरता स्तर की जानकारी एकत्रित की। सर्वे के दौरान पाया गया कि कई लोग आर्थिक, पारिवारिक तथा सामाजिक कारणों से शिक्षा से वंचित रह गए हैं।

सरगुजा ओलम्पिक का शानदार आगाज, जिले के 80 हजार से अधिक खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राज्य के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र सरगुजा सम्भाग के लोगों को खेलों के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से सरगुजा ओलम्पिक का आयोजन किया जा रहा है। तीन चरणों में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के विकासखण्ड स्तर की शुरुआत 28 जनवरी से हो गई है, जो 03 फरवरी तक जारी रहेगा। सरगुजा जिले के 80026 खिलाड़ियों ने 12 खेल विधाओं में हिस्सा लेने पंजीयन करवाया है। जीत हासिल करने खिलाड़ी पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। जिले में विकासखण्ड अंबिकापुर में 3 से 4 फरवरी, लखनपुर में 29 जनवरी से 02 फरवरी तक, उदयपुर में 28 जनवरी से 03 फरवरी तक, मैनपाट में 29 से 30 जनवरी तक, सीतापुर में 30 से 31 जनवरी तक, बतौली में 30 से 31 जनवरी तक एवं लुण्ड्रा में 30 से 31 जनवरी तक विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विकासखण्ड स्तर पर विजेता प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे,

जिला स्तरीय आयोजन 05 फरवरी से 10 फरवरी तक होगा। इसी प्रकार आयोजन का अंतिम स्तर संभाग स्तरीय प्रतियोगिता 01 मार्च से 03 मार्च तक आयोजित होगी।

80 हजार से अधिक खिलाड़ी प्रतियोगिताओं में लेंगे हिस्सा

सरगुजा ओलम्पिक में पूरे जिले के 80 हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने कुल 80026 लोगों ने पंजीयन कराया, जिसमें महिला 43273 एवं पुरूष 36753 शामिल हैं। इसमें अंबिकापुर विकासखण्ड में कुल 14691 पंजीकृत खिलाड़ी में महिला 8500 एवं पुरूष 6191, उदयपुर ब्लॉक में कुल 10479 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 4905 एवं 5574 पुरूष, बतौली ब्लॉक में कुल 11710 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 6346 व पुरूष 5364, मैनपाट ब्लॉक में कुल 7415 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 4680 एवं पुरूष 2735, लखनपुर ब्लॉक में 13342 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 5592 एवं पुरूष 7750, लुण्ड्रा ब्लॉक में कुल 11811 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 7355 एवं पुरूष 4456 एवं सीतापुर ब्लॉक में 10578 पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला 5895 एवं पुरूष 4683 शामिल हैं।

ये खेल प्रतियोगिताएं हो रही हैं आयोजित

सरगुजा ओलंपिक में विकासखण्ड स्तर पर एथलेटिक्स दौड़, गोला फेंक, भाला फेंक, तवा फेंक, लम्बी कूद, ऊंची कूद, 4/100 रिले रेस, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराते, कबड्डी, खो-खो, बालीबाल, बास्केटबाल आयोजित होंगे। हॉकी एवं कुश्ती के खिलाड़ी सीधे जिले स्तर पर प्रतिभाग करेंगे।

शौच के लिए गए युवक पर 3 भालुओं ने किया हमला

अचेत होने पर मृत समझकर चले गए, बेहोशी की हालत से उबरने पर पहुंचा घर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शौच के लिए घर से बाहर निकले ग्रामीण पर तीन भालुओं ने हमला कर दिया। युवक जब बेसुध हो गया, तो भालू उसे मृत

समझकर चले गए। घायल युवक का उपचार जारी है।

जानकारी के मुताबिक जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम देवडांड का वीरेन्द्र यादव पिता नन्द कुमार यादव 22 वर्ष, बुधवार को रात करीब 11 बजे शौच के लिए घर से बाहर निकला था। वापस आते समय अचानक तीन भालुओं ने उस पर हमला कर दिया, जिसमें उसके सिर, हाथ और पैर जख्मी हो गया है। युवक शोर मचाया, लेकिन तीनों भालुओं के आक्रामक तेवर के बीच उसकी आवाज दबकर रह गई, और बेसुध हालत में वह जमीन पर गिर गया। युवक के अचेत होने पर भालू उसे मरा समझकर चले गए। पौन घंटे तक युवक मौके पर बेहोशी की हालत में पड़ा था, इससे परिवार के सदस्य अनजान थे। होश आने पर किसी तरह वह घर के अंदर गया और परिवार के सदस्यों को उठाकर भालुओं के द्वारा किए गए हमले की जानकारी दिया। लहूलुहान हालत में युवक को स्वजन बगीचा के शासकीय अस्पताल में ले गए, यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रेफर करने पर गुरूवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल युवक के पिता ने बताया कि अस्पताल से रेफर करने पर अंबिकापुर आने के कारण वन विभाग को उनकी ओर से किसी प्रकार की सूचना नहीं दी गई है, जिस कारण उन्हें फिलहाल किसी प्रकार की सहायता राशि नहीं मिल पाई है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग सरगुजा ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करजी में किया गया।

कार्यक्रम जिला कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बालिकाओं को लैंगिक समानता के महत्व, जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की प्रेरणा दी गई। साथ ही संतुलित आहार, एनीमिया की रोकथाम और मासिक धर्म स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान बालिकाओं को सेनेटरी पैड भी वितरित किए गए। सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 181 सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पॉक्सो अधिनियम, साइबर क्राइम से बचाव, बाल श्रम निषेध तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा की गई। आयोजन के माध्यम से बालिकाओं में आत्मविश्वास, जागरूकता और सशक्तिकरण की भावना को प्रोत्साहन मिला।

स्कार्पियो वाहन की मांग पूरी नहीं होने पर लाखों रुपये फूंकने के बाद मिले आंसू

दहेज लोभी पति, सास-ससुर और ननद के विरूद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उत्तर प्रदेश में शहर की एक युवती को दहेज के लिए प्रताड़ना देने के मामले में महिला थाना अंबिकापुर की पुलिस ने पति, सास-ससुर और ननद के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। विवाहिता ने ससुराल में गाली-गलौज करते हुए क्रूर यातना देने और पति के द्वारा अप्राकृतिक कृत्य करने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने पति आदित्य जायसवाल 31 वर्ष, सास अनिता गुप्ता 55 वर्ष, ससुर तरूण कुमार जायसवाल 57 वर्ष व ननद के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है, सभी वाराणसी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

विवाहिता ने पुलिस को बताया है कि उसका विवाह आदित्य जायसवाल के साथ 02 फरवरी 2025 को रीति-रिवाज से मोहनकुंज लान मवईया सारनाथ वाराणसी उत्तर प्रदेश में हुआ था। विवाह के पूर्व 22.10.2024 को वर पक्ष के लोग उसे देखने आए थे। इनके द्वारा पहले लड़की पसंद आने पुन: दो दिन बाद फोन करके लड़की पसंद नहीं आने की बात कही गई। एक सप्ताह बाद पुन:

विवाह के लिए राजी हो गए और 30 लाख रुपये नकद व स्कॉर्पियो वाहन की मांग की गई। लड़की के पिता ने अपने सामर्थ्य के अनुसार अधिकतम 28 लाख रुपये नकद दे पाने सहमति जताई गई, इससे ज्यादा रकम और वाहन देने में असमर्थता व्यक्त की गई। वर पक्ष ने विवाह के लिए हामी भर दी। 24.11.2024 को इनकी सगाई रोज गार्डन होटल सारनाथ वाराणसी उत्तर प्रदेश में होना तय हुआ। सगाई के लिए एक लाख रुपये नकद और होटल रेंट सहित अन्य व्यवस्था में हुए 5 लाख रुपये खर्च का वहन भी वधु पक्ष ने किया।

विवाह की तिथि से 10 दिवस पूर्व लड़की के पिता एवं चाचा ने बेटी के होने वाले ससुराल में मांगे गए दहेज की रकम में 25 लाख रुपये नकद दिया, और रकम की मांग करने पर उन्होंने ऑनलाइन एक लाख रुपये 22-23 जनवरी 2025 के बीच अंतरित किया। लड़के के द्वारा की गई मांग के अनुसार सोने का चैन, डायमंड की अंगूठी, 4 सोने की अंगूठी, सोने का कड़ा, चांदी के सिक्के, महंगे कपड़े, मेकअप का सामान, किचन सेट, इलेक्ट्रिक सामान और लड़की के जेवरात में 10 लाख रुपये खर्च भी वधु पक्ष ने किया। शादी के बाद ससुराल जाने पर कुछ दिन तक सभी का व्यवहार सामान्य रहा। यहां आने पर मुंह दिखाई के समय दिए गए समस्त उपहार, नकदी, जेवर और अन्य सामान सास अनिता गुप्ता पति तरूण कुमार जासयवाल 55 वर्ष यह कहकर अपने पास रख ली कि कहीं आना-जाना होगा तो मांग लेना। इसके बाद मेंहदी का सुर्ख रंग फीका नहीं हुआ था सत्यनारायण भगवान की कथा में पति आदित्य जायसवाल से बैठने का आग्रह करने पर जवाब में झापड़ मिला और ज्यादा बोलने पर तलाक देने की धमकी दी गई, जिसे सास ने भी गंभीरता से नहीं लिया और नव वधू को अकेले पूजा में बैठने की बात कहते हुए सही बहू नहीं मिली है, मुंहमांगा दहेज, गाड़ी नहीं मिलने का ताना देने लगी। कुछ दिनों बाद आदित्य अपने दोस्त के यहां शादी में बैंगलोर चले गया और विवाहिता अपने मायके अंबिकापुर आ गई थी। यहां आने के बाद जब भी फोन करती तो लगातार 5-6 घंटे फोन ऑफ रहता था। बाद में पति आदित्य ने बताया कि उसकी महिला मित्र भी शादी में आई थी, साथ में रहने के कारण वह फोन नहीं उठा रहा था। 14 अप्रैल 2025 को पति और ससुर के साथ ससुराल पहुंची तो सास ने गाली-गलौज और मारपीट करना प्रारंभ कर दिया। आरोप है कि पति के द्वारा महिला मित्र से विवाह करने की बात कहते हुए उसे मायके जाने कहा गया, नहीं तो कुछ खिलाकर मार देने की बात कही गई। अगस्त 2025 में रक्षाबंधन के समय मायके में 5-6 दिन रूकने पर सास-ससुर के द्वारा बहू से मोबाइल में बातचीत के दौरान 50 लाख रुपये नकद और 20 लाख रुपये का चारपहिया वाहन दहेज में मिलने की बात कहकर दूसरे जगह बेटे का विवाह करने की बात कही गई, और बिना स्कॉर्पियो वाहन लिए ससुराल आने से मना कर दिया। 22.09.2025 को दशहरा के समय जब वह पिता के साथ ससुराल गई तो सभी अपने घर में बाहर से ताला बंद करके अंदर छिपे थे, इसके बाद वह वाराणसी के एक होटल में अपने पिता के साथ रूकी थी। स्थानीय पुलिस प्रशासन से मदद नहीं मिलने पर वह अपने घर अंबिकापुर आ गई। विवाहिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर